■ श्रावण कृष्ण - 8 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 349 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 18-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राष्ट्रीय खेल विधेयक के मसौदे को तैयार करने में आईओसी से परामर्श किया गया : मांडविया

6 शुभांशु शुक्ला की सफलता और अंतरिक्ष स्टेशन की महत्वाकांक्षा

7 गुरु की तलाश में तीन दिन बर्फीली पहाड़ियों में बैठे रहे शेखर कपूर

फर्स्ट टेक

अमेरिका ने 20 जनवरी से अब तक 1563 भारतीयों को निर्वासित किया

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि अमेरिका ने जनवरी से अब तक कुल 1,563 भारतीय नागरिकों को निर्वासित किया और पिछले सप्ताह ही एक समूह वापस आया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि ज्यादातर भारतीयों को व्यावसायिक उड़ानों से वापस भेजा गया। उन्होंने बताया कि 20 जनवरी से 16 जुलाई तक लगभग 1563 भारतीय नागरिकों को अमेरिका ने निर्वासित किया है और इनमें से ज्यादातर भारतीय नागरिक व्यावसायिक उड़ानों से लौटे हैं। जायसवाल ने बताया कि भारतीय नागरिकता की पुष्टि होने के बाद ही लोगों को निर्वासित किया जाता है।

अमृतसर में पाकिस्तान से जुड़े हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने बृहस्पतिवार को अमृतसर में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के साथ पाकिस्तान से जुड़े सीमा पार हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया। पुलिस ने आरोपी हरजिंदर सिंह के कब्जे से मैगजीन के साथ 10 पिस्तौल बरामद कीं। सिंह तरनतारन के दल गांव का निवासी है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि आरोपी कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर है तथा उसके खिलाफ स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम से संबंधित दो मामले दर्ज हैं और वह हाल ही में जमानत पर बाहर आया था। यह घटनाक्रम काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई), अमृतसर द्वारा सीमा पार से मादक पदार्थ और हथियार तस्करी के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के लगभग एक पखवाड़े बाद सामने आया है।

उत्तराखंड की सभी सीमाओं पर लगेंगे 251 फुट ऊंचे भगवा ध्वज

हरिद्वार/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को राज्य की सभी सीमाओं पर स्थित प्रवेश द्वारों पर 251 फुट ऊंचे भगवा ध्वज स्थापित करने की घोषणा की जो दुनिया में सबसे ऊंचे धर्म ध्वज होंगे। मुख्यमंत्री ने यहां हरिद्वार में गंगा किनारे धर्म ध्वजा की स्थापना के लिए सांकेतिक रूप से शिलान्यास कर इसकी शुरूआत की। हर की पौड़ी की प्रबंधकारिणी संस्था श्रीगंगा सभा, जिला प्रशासन और भारतीय नदी परिषद के संयुक्त तत्वाधान में इसकी स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस योजना के बारे में बताया कि उत्तराखंड देव भूमि है और राज्य की सीमा के अंदर प्रवेश करते ही व्यक्ति को एक अलौकिक अहसास देने के लिए राज्य की सीमाओं पर विशाल भगवा ध्वज स्थापित किया जाएगा।

18-07-2025 सूर्यास्त 6:49 बजे | 19-07-2025 सूर्योदय 6:02 बजे

BSE	NSE
82,259.24	25,111.45
(-375.23)	(-100.60)

सोना	चांदी
10,284 रु.	116,534 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अंतहीन व्यभिचार

बढ़ रहे रोज दुष्कर्म आज,
बालिग नाबालिग सब शिकार।
हो रहे पतित इंसान यहां,
हर मन के भीतर दुराचार।
क्या कारण है इसका आखिर,
सोचे निज मन में सभी यार।
या तो भीतर इंसान मरा,
या सिस्टम में आया विकार।।

स्वच्छता हमारी जीवनशैली का हिस्सा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को स्वच्छ भारत मिशन अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि वातावरण को स्वच्छ रखने की परंपरा हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग है और सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना प्राचीन काल से ही स्वच्छता पर बल देती रही है।

श्रीमती मुर्मु ने आज यहां स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में अपने संबोधन में कहा कि उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024 के लिए दुनिया का सबसे बड़ा स्वच्छता सर्वेक्षण आयोजित किया जिसमें विभिन्न हितधारकों, राज्य सरकारों, शहरी निकायों और लगभग 14 करोड़ नागरिकों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना प्राचीन काल से ही स्वच्छता पर बल देती रही है। अपने घरों, पूजा स्थलों और आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने की परंपरा हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे, 'स्वच्छता ईश्वरीय भक्ति के बाद आती है।' वे स्वच्छता को धर्म, अध्यात्म और नागरिक जीवन की आधारशिला मानते थे।

उन्होंने कहा कि वह अधिसूचित क्षेत्र परिषद की उपाध्यक्ष के रूप में प्रतिदिन वार्डों का दौरा करती थीं और स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण करती थीं।

नई रैंकिंग प्रणाली के तहत अहमदाबाद सबसे स्वच्छ शहर, इंदौर 'सुपर स्वच्छ लीग' में पहुंचा

नई दिल्ली/भाषा। सरकार के वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण में, बड़े शहरों में अहमदाबाद को सबसे स्वच्छ शहर नामित किया गया, जिसके बाद भोपाल और लखनऊ का स्थान है। वहीं, स्वच्छता में असाधारण प्रदर्शन करने को लेकर इंदौर, सूरत, नवी मुंबई और विजयवाड़ा को नवगठित 'सुपर स्वच्छ लीग सिटीज' श्रेणी में जगह मिली है।

स्वच्छ सर्वेक्षण के नतीजे बृहस्पतिवार को घोषित किये गए।

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के अनुसार, 4,500 से अधिक शहरों में बातचीत, स्वच्छता ऐप, माईजीओवी और सोशल मीडिया के माध्यम से 14 करोड़ लोगों ने सर्वेक्षण में भाग लिया।

इस वर्ष चार श्रेणियों में कुल 78 पुरस्कार प्रदान किए गए -- सुपर स्वच्छ लीग शहर; पांच जनसंख्या श्रेणियों में शीर्ष तीन स्वच्छ शहर; विशेष श्रेणी: गंगा शहर, छावनी बोर्ड, सफाई मित्र सुरक्षा, महाकुंभ; और राज्य स्तरीय पुरस्कार -- किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश का स्वच्छ शहर। नई श्रेणी 'सुपर स्वच्छ लीग' के अंतर्गत, तीन लाख से 10 लाख की आबादी वाली श्रेणी में नोएडा सबसे स्वच्छ शहर बनकर उभरा, जिसके बाद चंडीगढ़ और मैसुरु का स्थान है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

'सुपर स्वच्छ लीग' शहर पुरस्कार श्रेणी के बारे में आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि इंदौर, सूरत और नवी मुंबई पिछले कुछ वर्षों में सबसे स्वच्छ शहरों की सूची में शीर्ष पर रहे हैं और स्वच्छता के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित किए हैं।

आकाश प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने लद्दाख में आकाश प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने बताया कि इस हथियार प्रणाली को समुद्रतल से 4,500 मीटर की ऊंचाई पर संचालित करने के लिए तैयार किया गया है। इसमें कहा गया है कि यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की स्वदेशी रूप से विकसित वायु रक्षा प्रणालियों के 'असाधारण प्रदर्शन' के बाद आई है। आकाश प्राइम मिसाइल भारतीय सेना के लिए तैयार आकाश हथियार प्रणाली का उन्नत संस्करण है।

भारत ने पृथ्वी-2 और अग्नि-1 मिसाइल का सफलता पूर्वक परीक्षण किया

बालासोर (ओडिशा)श्रीभारत ने बृहस्पतिवार को ओडिशा के तट स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों पृथ्वी-2 और अग्नि-1 का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया, ''इन प्रक्षेपणों ने सभी परिचालन और तकनीकी मानकों को पूरा किया। ये परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किए गए।'' अग्नि-1 का परीक्षण अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया, जबकि पृथ्वी-2 का परीक्षण कुछ समय बाद चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज के लॉन्च पैड संख्या-3 से किया गया।

लद्दाख में मिसाइल का परीक्षण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा, ''भारत ने 16 जुलाई को भारतीय सेना के लिए तैयार आकाश हथियार प्रणाली के उन्नत संस्करण आकाश प्राइम ने लद्दाख में ऊंचाई पर दो तेज गति वाले मानव रहित लक्ष्यों को सफलतापूर्वक नष्ट करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।''

इसमें कहा गया है कि हथियार प्रणाली को समुद्रतल से 4,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर संचालित करने के लिए तैयार किया गया है और इसमें स्वदेशी रूप से विकसित रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर सहित नवीनतम प्रौद्योगिकी को समायोजित किया गया है।

मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया के विशेष दूतों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और कहा कि उस देश के साथ भारत की विशेष रणनीतिक साझेदारी नवाचार और रक्षा से लेकर पोत निर्माण तक बढ़ती जा रही है। मोदी ने 'एक्स' पर कहा कि लोकतंत्रों के बीच घनिष्ठ सहयोग हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि में योगदान देता है। उन्होंने कहा, ''श्री किम बू क्यूम के नेतृत्व में कोरिया गणराज्य के विशेष दूतों के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हुई। राष्ट्रपति ली जे म्यांग के साथ अपनी सकारात्मक बैठक को याद किया। भारत-कोरिया गणराज्य विशेष रणनीतिक साझेदारी, जिसके 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं, नवाचार और रक्षा से लेकर जहाज निर्माण और कौशल गतिशीलता तक निरंतर आगे बढ़ रही है।'' दक्षिण कोरिया का आधिकारिक नाम कोरिया गणराज्य है।

तीन लाख शरणार्थी मिजोरम से म्यांमार अपने गांव वापस गए

आइजोल/भाषा। म्यांमार से हाल ही में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके भारत में शरण लेने वाले करीब 3,000 शरणार्थी वापस लौट गए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चिन नेशनल आर्मी (सीएनए) समर्थित विद्रोही समूहों चिन नेशनल डिफेंस फोर्स (सीएनडीएफ) और चिनलैंड डिफेंस फोर्स (सीडीएफ-हुआलंगोरम) के बीच सशस्त्र संघर्ष के बाद पड़ोसी देश से 4,500 से अधिक शरणार्थियों ने मिजोरम में प्रवेश किया था और चम्फाई जिले के सीमावर्ती गांवों जोखावथर, सैखुम्फई और वैफई में शरण ली थी। ये शरणार्थी म्यांमार के चिन राज्य के निकट सीमावर्ती गांवों के थे।

क्या गारंटी है कि राहुल गांधी मुझसे पहले जेल नहीं जाएंगे? : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के यह दावा करने के एक दिन बाद कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को भ्रष्टाचार को लेकर जनता जेल में डाल देगी, भाजपा नेता ने बृहस्तिवार को कहा कि क्या गारंटी है कि ऐसा होने से पहले, कांग्रेस नेता सलाखों के पीछे नहीं होंगे। शर्मा ने कहा कि एक राष्ट्रीय नेता को इस तरह की टिप्पणी करना शोभा नहीं देता।

गांधी ने बुधवार को गुवाहाटी के पास चायगांव में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक के दौरान दावा किया था कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार को उनके भ्रष्टाचार के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा एवं राज्य की जनता शर्मा को जेल में डाल देगी। कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए शर्मा ने कहा, ''क्या गारंटी है कि राहुल गांधी मुझसे पहले जेल नहीं जाएंगे?''

भाजपा नेता ने कहा, ''किसी राज्य में आकर यह कहना कि वह किसे जेल भेजेंगे या किसे नहीं, एक राष्ट्रीय नेता को शोभा नहीं देता... यह साबित करता है कि मैं कितना महत्वपूर्ण हूं।''

चायगांव बैठक के संबंध में शर्मा ने दावा किया था कि गांधी ने राज्य के शीर्ष पार्टी नेताओं के साथ बंद कमरे में हुई बैठक में कहा था कि मुख्यमंत्री को जेल भेजा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''लिखकर ले लीजिए, हिमंत विश्व शर्मा को निश्चित रूप से जेल भेजा जाएगा' - विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने असम में कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति की बंद कमरे में हुई बैठक के दौरान बिल्कुल यही शब्द कहे।''

मोदी सरकार में दलित और वंचित होना अपराध बन गया है : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जब सत्ता मनुवादी सोच की गोद में बैठती है, तो दलितों की जान की कोई कीमत नहीं बचती।

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हरियाणा में एक दलित किशोर की हत्या की घटना का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में दलित और वंचित होना अपराध बन गया है।

राहुल गांधी ने एक खबर का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि हरियाणा के हिसार में पिछले दिनों 16 वर्षीय दलित किशोर गणेश वाल्मीकि की हत्या कर दी गई और लोगों ने इस मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम ज्ञापन भेजा है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जब सत्ता मनुवादी सोच की गोद में बैठती है, तो दलितों की जान की कोई कीमत नहीं बचती। हरियाणा के हिसार में दलित किशोर गणेश वाल्मीकि की हत्या और उसके परिवार के साथ हुई बर्बरता सिर्फ एक अपराध नहीं है। यह भाजपा-आरएसएस के मनुवादी सिस्टम का वह घिनौना चेहरा है जो आज भारत में बहुजनों के जीवन को सस्ता समझता है, जो उन्हें समानता और सम्मान का हकदार नहीं मानता।''

राहुल गांधी ने कहा कि परिजनों का आरोप है कि गणेश की हत्या पुलिस ने की, 9 दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई और जब परिवार न्याय मांगने गया, तो उल्टा उन्हीं को प्रताड़ित किया गया। उन्होंने दावा किया कि यह कोई इकलौती घटना नहीं है और पिछले 11 सालों में दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के मामले बेलगाम बढ़ गए हैं।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सत्ता में बैठी भाजपा ने, भेदभाव के लिए हिंसा को खुली छूट दे दी है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ''मोदी सरकार ने ना सिर्फ़ इन अत्याचारों पर चुप्पी साध ली है, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करके, पुलिस और प्रशासन को ऐसे अपराधों का हथियार और अपराधियों की ढाल बना दिया है। मोदी के दौर में दलित होना, गरीब होना, वंचित होना मानों अपराध बन गया है।''

भारत रूसी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंध की आशंका से चिंतित नहीं, वैकल्पिक स्रोतों से खरीद बढ़ाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में चेतावनी दी है कि यदि रूस 50 दिन के भीतर यूक्रेन के साथ शांति समझौते तक नहीं पहुंचता है तो रूस से आयात करने वाले देशों पर प्रतिबंध या उच्च शुल्क लगाए जा सकते हैं।

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने रूस से कच्चे तेल की आपूर्ति पर अमेरिकी प्रतिबंध लगने की आशंका को ज्यादा महत्व न देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उसे अपने तेल आयात की जरूरतों को वैकल्पिक स्रोतों से पूरा करने का भरोसा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक भारत, रूस से तेल की आपूर्ति में किसी भी तरह की बाधा से निपटने के लिए अन्य देशों से तेल खरीद सकता है। पुरी ने रूस पर संभावित अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, ''मेरे दिमाग में इसे लेकर किसी तरह का दबाव नहीं है। भारत के तेल आपूर्ति के स्रोतों में अब विविधता आ चुकी है। हम पहले 27 देशों से तेल खरीदते थे, अब यह संख्या बढ़कर लगभग 40 हो गई है।''

वह हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) की तरफ से आयोजित वार्षिक सम्मेलन 'ऊर्जा वार्ता' में शिरकत के लिए आए थे।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात से पूरी करता है। परंपरागत रूप से पश्चिम एशिया भारत का मुख्य तेल आपूर्तिकर्ता रहा है, लेकिन पिछले तीन वर्षों में रूस प्रमुख स्रोत के रूप में उभरकर सामने आया है।

फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों ने रूसी तेल पर प्रतिबंध लगा दिया था। उस समय रूस ने कच्चे तेल पर भारी छूट देनी शुरू कर दी थी जिससे भारत जैसे देशों को बहुत फायदा हुआ। आज के समय में भारत के कुल कच्चा तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है। पुरी ने कहा कि रूस के अलावा ब्राजील, कनाडा और गुयाना जैसे देशों से भी कच्चे तेल की आपूर्ति को बढ़ाया जा सकता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में चेतावनी दी है कि यदि रूस 50 दिन के भीतर यूक्रेन के साथ शांति समझौते तक नहीं पहुंचता है तो रूस से आयात करने वाले देशों पर प्रतिबंध या उच्च शुल्क लगाए जा सकते हैं।

पुरी ने कहा कि भारत घरेलू तेल खोज और उत्पादन को भी तेजी से बढ़ा रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, ''मैं बिलकुल भी चिंतित नहीं हूं। अगर कुछ होता है तो हम उससे निपट लेंगे।''

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के चेयरमैन ए एस साहनी ने कहा कि यदि रूस से तेल आपूर्ति बाधित होती है तो भारत यूक्रेन युद्ध से पहले लागू आपूर्ति व्यवस्था की ओर लौट सकता है। उस समय रूस से आयात दो प्रतिशत से भी कम था।

पेट्रोलियम मंत्री ने बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि फिलहाल बाजार खासकर कीमतों के मामले में, किसी भू-राजनीतिक उठापटक पर प्रतिक्रिया नहीं देता है क्योंकि तेल की अच्छी उपलब्धता है।

पुरी ने कहा, ''वर्तमान में कच्चे तेल की कीमत लगभग 68.5 डॉलर प्रति बैरल है और आने वाले महीनों में भी इसके लगभग 65 डॉलर प्रति बैरल पर रहने की उम्मीद है।'' उन्होंने बताया कि पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण को 20 प्रतिशत के मौजूदा स्तर से बढ़ाने के लिए नीति आयोग के नेतृत्व में उद्योग के हितधारकों के साथ चर्चा और परामर्श जारी है।

परमात्मा व प्रकृति से जुड़कर अपनी आन्तरिक शक्ति को जगाएं : सुधांशु महाराज

- जयनगर के पूर्णिमा कन्वेंशन सेन्टर में शुरू हुई अमृत ज्ञान वर्षा
- रविवार को श्रीधाम आश्रम में सुबह होगा प्रवचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर स्थित पूर्णिमा कन्वेंशन सेन्टर में गुरुवार से विश्व जागृति मिशन बेंगलूरु शाखा द्वारा चार दिवसीय अमृत ज्ञान वर्षा महोत्सव का शुभारम्भ सदगुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज द्वारा किया गया। इस अवसर पर समिति के प्रमुख के. के. टांटिया व अन्य पदाधिकारियों ने सुधांशुजी महाराज का स्वागत व सम्मान किया। व्यास पीठ का पूजन भी टांटिया परिवार द्वारा किया गया।

अमृत ज्ञान वर्षा प्रवचन श्रृंखला के पहले दिन प्रवचनकार सुधांशुजी महाराज ने बड़ी संख्या में विभिन्न अंचलों से आए गुरु भक्तों को सम्बोधित करते हुए कहा कि व्यक्ति के जीवन में शान्ति और प्यार उतरे तो जीवन में साक्षात् प्रभु दिखाई देने लगता है तथा सच्चे आनन्द और खुशी की प्राप्ति होतीहै। उन्होंने कहा कि आज सुख और आराम को ढूंढते हुए व्यक्ति अपने लक्ष्य से भटक रहा है। जितना जीवन में सुख और आराम होगा, उससे अधिक व्यक्ति बेचैन होगा इसलिए परमात्मा व प्रकृति से जोड़कर आंतरिक शान्ति को प्राप्त करें और खुश होकर जीवन जिएं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम आध्यात्म के सहारे जीवन की दिशा को परिवर्तन काने का अवसर है। जीवन की दिशा ठीक हो जाए तो दुर्दशा से बचने का मौका मिलता है, दिशा सही हो तो जीवन में अनेक उपलब्धियां प्राप्त होती है। सुधांशुजी ने कहा कि जिस तरह सेहत खराब हो जाए तो व्यक्ति डॉक्टर के पास जाता है, उसी तरह आध्यात्मिक प्रगति के लिए अपने गुरु के शरण में जाकर जीवन के दुर्भाग्य को सौभाग्य में परिवर्तन करना चाहिए। व्यक्ति खुद को ज्ञान के माध्यम से ही पवित्र कार्य कर सकता है। इस संसार में जो कुछ प्राप्त है वह यहीं पर उपयोग के लिए मिला है इसलिए जीवन को आनंदित होकर जिएं इसलिए जीवन को क्षण भंगुर कहा गया है।

संतश्री ने कहा कि आज हम नकली जिंदगी जी रहे हैं, नकली मुस्कान के साथ जी रहे। आजकल दुकान पर हमने नकली मुस्कान के साथ लोगों को रख रखा है किसी को इमोशन नहीं है आजकल नाचने गाने वाले और यहां तक रोने वाले भी किराए पर मिलते हैं। वास्तव में खुशी की तलाश में आज हम खुशी से दूर हो गए, जीना चाहते थे जिंदगी और जिंदगी से दूर हो गए। जीवन जीने के लिए ज्ञानियों का सहारा जरूरी है व्यक्ति को पवित्र और पाप रहित करने वाला ज्ञानी ही होता है।

सुधांशुजी महाराज ने कहा कि जीभ पर लगा हुआ घाव सबसे जल्दी ठीक होता है लेकिन जीभ द्वारा लगाया गया घाव जिंदगी भर ठीक नहीं होता इसलिए अपने शब्दों का ध्यान रखें, सही शब्दों का चयन करें। उन्होंने कहा कि हमें लेट गो की थ्योरी अपनाना होगा अर्थात चिपक गई चीजों से जब तक ऊपर नहीं उठेंगे तब तक अगला जन्म हमें रुलाता रहेगा। चीजों को छोड़कर उठकर आगे की ओर चलने की आदत डालना चाहिए। पुरानी बातों को लेकर न चलें जीवन में आगे बढ़े, सकारात्मक सोच रखें। संतश्री ने कहा कि ज्ञान को जानने के लिए स्वयं गुरु के पास जाना पड़ता है और गुरु के प्रति निष्ठा श्रद्धा जरूरी है। गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण रखें अपने अहंकार को छोड़कर ज्ञान की उपासना के लिए उनके निकट पहुंचे। सब कुछ समर्पित करके कुछ पाने की अभिलाषा के साथ गुरु के पास जाए। ज्ञान को जानने के लिए स्वयं गुरु के पास जाना पड़ता है और गुरु के प्रति निष्ठा श्रद्धा जरूरी है। गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण रखें अपने अहंकार को छोड़कर ज्ञान की उपासना के लिए उनके निकट पहुंचे सब कुछ समर्पित करके कुछ पाने की अभिलाषा के साथ गुरु के पास जाए।

समिति के आदित्य टांटिया ने बताया कि गत अनेक वर्षों से हजारों गुरु भक्तों को अपने गुरुदेव का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि 18 व 19 जुलाई को प्रातः कालीन सत्र 10 से एवं सायंकालीन सत्र में 5 से प्रारंभ होगा। वहीं 20 जुलाई को श्रीधाम आश्रम में 11 बजे से गुरुदेव के सान्निध्य में कार्यक्रम होगा।

आंखें ही मन का सबसे बड़ा दर्पण होती हैं : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ यलहंका में विराजित आचार्यश्री हस्तीमलजी के शिष्य श्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में गुरुवार को लोकेश मुनि जी ने कहा कि हमें हमारे कर्मों का कर्ज़ चुकाना ही पड़ता है चाहे वह इस भव को हो या पर भव का। कोई भी अपनी मौत को टाल नहीं सकता, किंतु अपनी गति से अपने शुभ कार्यों से जरूर बदल सकता है। कोई भी सामान्य इंसान किसी बात का मात्र सामने से देखता है लेकिन एक ज्ञानी इंसान उसी बात के पीछे छुपे अर्थ को ढूंढ कर उसका समाधान करता है। संतश्री ज्ञान मुनि जी ने कहा कि साधुओं को हमेशा नीचे देखकर चलना चाहिए ताकि किसी जीव की हिंसा न हो और हर उपलब्ध घर से बिना किसी भेदभाव के गोचरी लेना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि जो भी विवेक रखता हैं, वक्त की कदर करते हैं, करुणामयी होते हैं, वात्सल्यपूर्ण होते हैं, अपनत्व भावनाओं का धनी होते हैं, विघ्नों से डरते नहीं, वह पंडित कहलाते हैं। आंखें ही मन का सबसे बड़ा दर्पण होती हैं। बड़ों के आशीर्वाद लेने से हर बिगड़ा काम भी बनता है और सब कार्य शुभ होते हैं। शुभ कार्यों को कभी भी टालना नहीं चाहिए तुरंत से तुरंत कर देना चाहिए। मनभेद को मतभेद में कभी नहीं बदलना नहीं चाहिए। सभा में सुमतिनाथ सकल जैन संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने स्वागत किया एवं सभा का संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

देवी उत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के शिवरामपेट स्थित मां चामुंडेश्वरी सेवा समिति द्वारा आयोजित उत्सव में क्षेत्र के विधायक हरीश गौड़ा, समाजसेवी रामराज, कर्नाटक रक्षण वेदिके के विनय, रोटरी मैसूरु के कोषाध्यक्ष गौतम सालेचा आदि शामिल हुए।

पूर्ववर्ती सरकारों के 'भ्रष्टाचार के अड्डों' को खत्म करेंगे : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी में पूर्ववर्ती सरकारों के समय रहे ''भ्रष्टाचार के सभी अड्डों'' को खत्म करने का बृहस्पतिवार को संकल्प लिया।

उनका यह बयान उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना द्वारा पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की 'जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना' में कथित भ्रष्टाचार की जांच के आदेश देने के एक दिन बाद आया है। वर्ष 2018 में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निजी कोचिंग संस्थानों में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को मुफ्त कोचिंग प्रदान करना था। हालांकि, इस साल फरवरी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत नई सरकार बनने के बाद इस योजना को बंद कर दिया गया था। एक कार्यक्रम में जब इस मामले की जांच के लिए जारी निर्देशों के बारे में पूछा गया तो गुप्ता ने कहा, ''अगर आप किसी योजना के लिए 15 करोड़ रुपए आवंटित करते हैं और फिर 150 करोड़ रुपए के बिल जमा करते हैं, तो काम कैसे चलेगा?

केजरीवाल व सिसोदिया ने आप सरकार के दौरान कई महंगे मोबाइल फोन खरीदे : सूद

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत आम आदमी पार्टी के नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी के सत्ता में रहने के दौरान कई महंगे मोबाइल फोन खरीदे थे। सूद ने कहा कि 2013 के एक आधिकारिक परिपत्र के अनुसार, दिल्ली के मुख्यमंत्री 50,000 रुपए और अन्य मंत्री 45,000 रुपए के मोबाइल फोन खरीदने के हकदार थे, लेकिन 2015 से 2022 तक शीर्ष पद पर रहते हुए केजरीवाल ने लाखों रुपए के आईफोन के चार नवीनतम मॉडल खरीदे। भाजपा नेता ने दावा किया कि इसी तरह, सिसोदिया ने 2017 और 2022 के बीच तीन आईफोन सहित पांच महंगे फोन खरीदे।

एअर इंडिया विमान हादसे को लेकर सटीक निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी : एएआईबी

नई दिल्ली/भाषा। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने कहा कि एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचना अभी जल्दबाजी होगी, क्योंकि जांच फिलहाल जारी है और अंतिम रिपोर्ट मूल कारणों एवं सिफारिशों के साथ आएगी। एएआईबी के महानिदेशक जी वी जी युगंधर ने एक बयान में कहा, ''हमारे संज्ञान में आया है कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया का कुछ वर्ग बार-बार और चुनिंदा एवं असत्यापित रिपोर्ट के आधार पर निष्कर्ष निकालने का प्रयास कर रहा है। इस तरह की कार्रवाई गैर-जिम्मेदाराना है, खासकर तब जब जांच जारी है।''

बयान उन खबरों की पृष्ठभूमि में आया है जिनमें कहा गया है कि पायलट की गलती के कारण एअर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 260 लोग मारे गए थे। अहमदाबाद से लंदन जा रहा बोइंग 787-8 विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। युगंधर ने कहा, ''हम जनता और मीडिया दोनों से आग्रह करते हैं कि वे समय से पहले ऐसी बातें फैलाने से बचें जिनसे जांच प्रक्रिया की सुचिता को खतरा हो।''

किशन रेड्डी ने तेलंगाना की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में सहयोग का प्रस्ताव रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर राज्य में प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग देने का प्रस्ताव दिया है।

कोयला एवं खनन मंत्री रेड्डी ने बुधवार को लिखे इस पत्र में कहा है कि कोयला मंत्रालय के तहत आने वाले केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम (सीपीएसयू) इस दिशा में तेलंगाना सरकार के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और नेवेली लिग्नाइट कॉरपोरेशन इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) जैसे पीएसयू तेलंगाना में सौर एवं पवन ऊर्जा संयंत्र, पंप भंडारण परियोजनाएं और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली की परियोजनाओं के लिए साझेदारी करने के इच्छुक हैं। इस तरह की परियोजनाओं में आगामी तीन वर्षों में लगभग 10,000 करोड़ रुपए का निवेश आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं कार्बन उत्सर्जन में कटौती, वायु गुणवत्ता में सुधार और प्राकृतिक संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इसके साथ ही ये परियोजनाएं रोजगार सृजन, कौशल विकास, ऊर्जा सुरक्षा, सस्ती बिजली तक पहुंच, समावेशी विकास, और जनजीवन की गुणवत्ता में सुधार जैसे सामाजिक-आर्थिक लाभ भी प्रदान करेंगी।

रेड्डी ने पत्र में कहा, ''इन परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार और सीपीएसयू के बीच एक संगठित और सुचारु समन्वय तंत्र स्थापित करना जरूरी है।''

केंद्रीय मंत्री ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री से सक्रिय और समयबद्ध सहभागिता की अपेक्षा करते हुए कहा है कि इससे इन परियोजनाओं को रफ्तार देने में मदद मिलेगी।

शुभांशु शुक्ला के लिए तत्काल कोई स्वास्थ्य संबंधी चिंता नहीं : इसरो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बृहस्पतिवार को कहा कि 20 दिन के अंतरिक्ष मिशन से धरती पर लौटे शुभांशु शुक्ला के प्रारंभिक स्वास्थ्य परीक्षण से संकेत मिले हैं कि उनकी हालत स्थिर है और तत्काल चिंता की कोई बात नहीं है। शुक्ला 15 जून को पृथ्वी पर लौटे। ड्रैगन ग्रेस अंतरिक्ष यान उन्हें और एक्सिओम-4 मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर कैलिफोर्निया के सैन डिएगो तट पर उतरा।

अंतरिक्ष यान से बाहर निकलते ही 'रिकवरी शिप' पर अंतरिक्ष यात्रियों की प्रारंभिक स्वास्थ्य जांच की गई। बाद में, अंतरिक्ष यात्रियों को आगे की चिकित्सा जांच और परामर्श सत्रों के लिए हेलीकॉप्टर द्वारा रिकवरी शिप से मुख्य भूमि पर ले जाया गया। बाद में, शुक्ला को सूक्ष्म गुरुत्व के किसी भी प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए एक सप्ताह के पुनर्वास कार्यक्रम के लिए ह्यूस्टन ले जाया गया।

इसरो ने कहा, ''इस कार्यक्रम का संचालन एक्सिओम के फ्लाइट सर्जन द्वारा किया जा रहा है और इसरो के फ्लाइट सर्जन भी इसमें हिस्सा ले रहे हैं।''

पुनर्वास कार्यक्रम में कई प्रकार की चिकित्सीय जांच, विशेष रूप से हृदय संबंधी आकलन, मांसपेशियों और अस्थियों का परीक्षण और मनोवैज्ञानिक जांच शामिल है।

पुनर्वास गतिविधियों में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की निगरानी, सूक्ष्म गुरुत्व के किसी भी प्रभाव के समाधान करने और व्यक्ति को सामान्य गतिविधियों में वापस लौटने के लिए तैयार करने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाता है।

भारत को चिकित्सा केंद्र बनाने के लिए कर प्रोत्साहन, स्टार्टअप को बढ़ावा देने की जरूरत : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत को 2035 तक देश को वैश्विक चिकित्सा केंद्र बनाने के लिए विदेशी मरीजों का इलाज करने वाले अस्पतालों को कर प्रोत्साहन देने और स्वास्थ्य क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा देने की जरूरत है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

'हील इन इंडिया: कैटेलाइजिंग मेडिकल एंड वेलनेस टूरिज्म फॉर ए हेल्दियर ग्लोबल फ्यूचर' रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में 'मेडिकल टूरिज्म' बाजार के 2025 के 18.2 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2035 तक 58.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाने की उम्मीद है। यह 12.3 प्रतिशत की सालाना की दर से बढ़ रहा है। 'मेडिकल टूरिज्म' से तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जिसमें लोग चिकित्सकीय उपचार या इलाज के लिए अपने देश से बाहर किसी दूसरे देश की यात्रा करते हैं।

तेलंगाना सरकार विस में जाति सर्वेक्षण के आंकड़े पेश करेगी, बीसी को 42% आरक्षण की योजना: रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि राज्य सरकार 2024-25 जाति सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़े विधानसभा के समक्ष पेश करेगी तथा सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करेगी।

इस कदम से पिछड़ा वर्गों के मौजूदा 23 प्रतिशत आरक्षण में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे पहले के. चंद्रशेखर राव सरकार के दौरान पंचायती राज अधिनियम के तहत पिछड़ा वर्गों के 34 प्रतिशत आरक्षण में कटौती की गई थी।

रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा, ''छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है, न ही कोई छिपा हुआ एजेंडा है। मेरे पास प्रामाणिक आंकड़े हैं। इसे विधानसभा में रखा जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''हम पिछड़े वर्गों के लिए कोटा 23 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने के लिए एक अध्यादेश लाएंगे।''

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह संसद के मानसून सत्र के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस सांसदों के समक्ष जाति सर्वेक्षण का 'तेलंगाना मॉडल' प्रस्तुत करेंगे।

मुसलमानों को पिछड़ा वर्ग श्रेणी में शामिल करने के सवाल पर रेड्डी ने कहा, ''हम इसे धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि जाति के आधार पर लागू कर रहे हैं।''

मध्यप्रदेश अब स्वच्छता में देश का अग्रदूत बन चुका है: मुख्यमंत्री मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित प्रदेश के अन्य नेताओं ने बृहस्पतिवार को वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर और कुछ अन्य शहरों को पुरस्कृत किए जाने पर खुशी जताई और कहा कि ये उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि पूरा मध्यप्रदेश अब स्वच्छता में देश का अग्रदूत बन चुका है।

यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''स्वच्छता के शीर्ष पर इंदौर...राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के सम्मान समारोह में इंदौर को 'सुपर स्वच्छ लीग सिटीज़' श्रेणी में देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में सम्मानित किया जाना प्रदेशवासियों के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।'' उन्होंने कहा कि इंदौर के साथ भोपाल, देवास, शाहगंज, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन एवं बुधनी को भी विभिन्न श्रेणियों में स्वच्छता पुरस्कार प्राप्त होना इस बात का प्रमाण है कि पूरा मध्यप्रदेश अब स्वच्छता में देश का अग्रदूत बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''इस सफलता के लिए मैं प्रदेश के समस्त स्थानीय निकायों के नागरिकों, विशेषकर स्वच्छता कर्मियों, जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।'' केंद्र सरकार के इस सर्वेक्षण में 'सुपर स्वच्छ लीग' पुरस्कार श्रेणी के तहत इंदौर सबसे स्वच्छ शहरों में लगातार आठवीं बार शीर्ष स्थान पर रहा, जबकि सूरत और नवी मुंबई क्रमशः दूसरे और तीसरे पायदान पर हैं।

भारत को वैश्विक वाहन क्षेत्र का अगुवा बनाने के लिए 'ऑटोमोटिव मिशन' योजना पर काम शुरू

नई दिल्ली/भाषा। भारी उद्योग मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने ऑटोमोटिव मिशन योजना 2047 बनाने का काम शुरू कर दिया है। यह एक रणनीतिक खाका है जो 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप और भारत को वैश्विक वाहन क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए है। यह नवोन्मेष और पर्यावरण अनुकूल पहल पर केंद्रित है। ऑटोमोटिव यानी वाहन मिशन योजना (एएमपी) 2047 के लिए गठित उप-समितियों ने वैश्विक वाहन व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद के लिए क्षेत्रीय विकास, निर्यात और लक्ष्यों की रूपरेखा तैयार करने को लेकर एक बैठक की है। सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत के विशेषज्ञों वाली सात उप-समितियां 2030, 2037 और 2047 के लक्ष्यों के अनुरूप एक व्यापक योजना तैयार करने में योगदान देंगी।

विदेश नीति पर भारत के पारंपरिक रुख से हटी सरकार, संसद में व्यापक चर्चा होनी चाहिए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर विदेश नीति के संदर्भ में भारत के पारंपरिक रुख से पीछे हटने और राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति नहीं बनाने का आरोप लगाया तथा यह भी कहा कि इस विषय संसद के मानसून सत्र में व्यापक चर्चा होनी चाहिए। पार्टी के वरिष्ठ प्रवक्ता आनंद शर्मा ने दावा किया कि मौजूदा विदेश नीति में 'बिखराव' के कारण विश्व स्तर पर भारत का असर कम हो रहा है।

शर्मा ने संवाददाताओं से कहा, ''भारत की विदेश नीति में जैसा बिखराव है, उस वजह से भारत का प्रभाव विश्व में कम हो रहा है। यह सबके लिए दुख की बात है।'' उन्होंने इस बात का उल्लेख किया, ''भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन का नेतृत्व किया। दुनिया के जिन देशों और महाद्वीपों में आजादी के लिए, रंगभेद के खिलाफ बड़े संघर्ष हुए, उन्होंने भारत की अगुवाई को माना, भारत की आवाज को सुना- चाहे वह अफ्रीका हो, लैटिन अमेरिका हो या एशिया के देश हों।''

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''जब हम राष्ट्रहित को आगे रखते हैं, तो उसके पीछे एक आम सहमति देश की रहती है, लेकिन मौजूदा सरकार में ये नहीं दिखता। राष्ट्रहित में हमारी कूटनीति और विदेश नीति से जुड़े मुद्दों पर एकतरफा फैसले लेने पर रोक लगनी चाहिए।'' शर्मा के अनुसार, इस विषय पर सरकार को विचार कर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए, वह वास्तविकता को स्वीकार करे और जो देश के बड़े दल हैं, उनके नेताओं के साथ बैठकर भी विचार-विमर्श करें। उन्होंने कहा, ''हम यह समझते हैं कि आने वाले संसद सत्र में विदेश नीति और देश की समस्याओं, चुनौतियां पर व्यापक चर्चा हो।'' उन्होंने गाजा में ''नरसंहार'' मानवीय संकट और इजराइली सैन्य कार्रवाई का उल्लेख करते हुए सवाल किया कि भारत इजराइल से क्यों नहीं कह सकता कि यह सब बंद किया जाए? उन्होंने कहा, ''यह दुखद और अस्वीकार्य है कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र में गाजा संबंधी मध्यस्थता प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। इससे 'ग्लोबल साउथ' के अगुवा और आवाज के तौर पर भारत की विश्वसनीयता को झटका लगा है।'' शर्मा ने कहा कि मानवाधिकार और मानवता को लेकर भारत के ऐतिहासिक सैद्धांतिक रुख से अब भारत का पीछे हटना दुखद है। उन्होंने कहा कि भारत के वर्तमान रुख से ''मित्र राष्ट्रों'' को दुख पहुंचा है।

ईडी ने कोमुल भर्ती घोटाला मामले में कांग्रेस विधायक की संपत्ति कुर्क की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक में साल 2023 में कोलार-चिक्काबल्लापुर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड (कोमुल) में भर्ती में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में कांग्रेस विधायक के वाई नानजेगौड़ा की 1.32 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। ईडी अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कोलार जिले की मालूर सीट से विधायक नानजेगौड़ा कोमुल के चेयरमैन हैं। उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया कोमुल ने पूरी की थी, जिसमें लिखित परीक्षा और साक्षात्कार शामिल थे तथा पैसे और/या राजनीतिक व्यक्तियों की सिफारिश के बदले अभ्यर्थियों को इसमें अनुचित लाभ पहुंचाया गया था। ईडी ने आरोप लगाया कि नानजेगौड़ा और केएन गोपाल मूर्ति (कोमुल के प्रबंध निदेशक) के नेतृत्व वाली भर्ती समिति ने संगठन के अन्य निदेशकों के साथ साजिश रची और एक योजना बनाई, जिसके तहत कुछ कम योग्य उम्मीदवारों को लाभ पहुंचाया गया और योग्य उम्मीदवारों को नौकरी से वंचित किया गया। जांच एजेंसी ने कहा कि नानजेगौड़ा की 1.32 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया। ईडी ने इन कथित अनियमितताओं की जांच जनवरी में नानजेगौड़ा और कुछ अन्य के खिलाफ 150 करोड़ रुपये कीमत की सरकारी भूमि के अवैध आवंटन से जुड़े एक अन्य मामले में छापेमारी के बाद शुरू की थी। एजेंसी ने कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस को कोमुल भर्ती में कथित

अनियमितताओं का संदर्भ दिया और सांसद/विधायक मामलों की सुनवाई के लिए निर्धारित विशेष अदालत के समक्ष शिकायत भी दर्ज कराई।

ईडी ने कहा कि उसने तलाशी के दौरान मूल और छेड़छाड़ की गई, दोनों ओएमआर शीट जब्त कीं, साथ ही उसे नेताओं के कुछ उम्मीदवारों की सिफारिश करने वाले व्हाट्सएप संदेश और नानजेगौड़ा तथा अन्य निदेशकों द्वारा कोमुल के कर्मचारियों को भेजे गए संदेश भी मिले। जांच एजेंसी ने दावा किया कि कोमुल और मैंगलोर विश्वविद्यालय में पूरी भर्ती प्रक्रिया में प्रक्रियागत खामियां पाई गईं, जो अनियमितताओं को छिपाने के प्रयासों का संकेत है।

सम्मान

गुरुवार को बेंगलूरु के रवींद्र कलाक्षेत्र में आयोजित एक समारोह में वर्ष 2024-25 के लिए कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में आजीवन उपलब्धि पुरस्कार वितरित किए गए तथा पुरस्कार विजेताओं को बधाई देने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या शामिल हुए।

मोदी के संन्यास का आरएसएस का संकेत भाजपा के लिए दलित प्रधानमंत्री बनाने का सुनहरा मौका : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75 वर्ष पूरे होने पर उनके राजनीतिक संन्यास का संकेत दे दिया है। इसके साथ ही सिद्दरामय्या ने कहा कि यह किसी दलित को अगला प्रधानमंत्री बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास 'सुनहरा मौका' है। वह कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा के बयान का जवाब दे रहे थे, जिन्होंने कांग्रेस को चुनौती दी थी कि वह पिछड़े वर्गों और अनुसूचित जाति/जनजाति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित करने के लिए अपने अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करे।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''मल्लिकार्जुन खरगे न सिर्फ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष हैं बल्कि एक सम्मानित राजनेता भी हैं। उनका उत्थान 'दलित कार्ड' खेलने का नहीं, बल्कि दशकों के समर्पण, ईमानदारी और जनसेवा का नतीजा है। उन्हें कभी राजनीतिक संरक्षण की ज़रूरत नहीं पड़ी। और मैं साफ कर दूं: कांग्रेस में, यह हमारी पार्टी तय करती है कि प्रधानमंत्री पद के लिए हमारा उम्मीदवार कौन होगा, भाजपा नहीं।''

उन्होंने विजयेंद्र से कांग्रेस पर समय गंवाने के बदले अपनी पार्टी पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करते हुए एक बयान में कहा, ''मोहन भागवत ने पहले ही मोदी के संन्यास का संकेत दे दिया है, अब वह 75 साल के हो चुके हैं। यह भाजपा के लिए किसी दलित को अगला प्रधानमंत्री बनाने का सुनहरा अवसर है। इसकी शुरुआत आप से होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, दूसरों को उपदेश देने के बदले, आप प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में भाजपा को किसी दलित नेता का नाम क्यों नहीं सुझाते? चाहे वह गोविंद करजोल हों या चलवाडी नारायणस्वामी (राज्य भाजपा नेता), अगर आप उनके नाम सुझाएंगे, तो मैं आपको सबसे पहले बधाई दूंगा।'' सिद्दरामय्या ने कहा, ''लेकिन मुझे कोई भ्रम नहीं है। दलितों और पिछड़े वर्गों के साथ भाजपा का व्यवहार हमेशा दिखावटी रहा है। आपका इतिहास और पाखंड खुद ही सब कुछ बता देता है।''

फेसबुक और इंस्टा पर कन्नड़ के गलत अनुवाद से उपयोगकर्ता हो रहे गुमराह : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर कन्नड़ भाषा की सामग्री के गलत स्व-अनुवाद (ऑटो ट्रांसलेशन) पर चिंता जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा है और उपयोगकर्ताओं को गुमराह कर रहा है। सिद्दरामय्या ने कहा कि उनके मीडिया सलाहकार ने औपचारिक रूप से इन प्लेटफॉर्म की मूल कंपनी मेटा को पत्र लिखकर तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया मंचों को खासतौर पर सरकारी संचार में जिम्मेदारी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को इस बारे में सचेत रहना चाहिए कि इन प्लेटफॉर्म पर होने वाला अनुवाद अक्सर गलत होता है। सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर लिखा, मेटा प्लेटफॉर्म पर कन्नड़ सामग्री के दोषपूर्ण स्व-अनुवाद में तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है और उपयोगकर्ताओं को गुमराह किया जा रहा है। आधिकारिक संचार के मामले में यह विशेष रूप से खतरनाक है। मेरे मीडिया सलाहकार ने मेटा को औपचारिक रूप से पत्र लिखकर तत्काल सुधार का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार के.वी. प्रभाकर ने 16 जुलाई को मेटा को लिखे पत्र में इस संबंध में मुख्यमंत्री की ओर से गंभीर चिंता प्रकट की है। उन्होंने लिखा, हमने चिंता के साथ इस बात को संज्ञान में लिया है कि कन्नड़ से अंग्रेजी का स्व-अनुवाद अक्सर गलत रहता है और कुछ मामलों में तो बहुत ज्यादा भ्रामक होता है।

प्रभाकर ने कहा कि सरकारी संचार, विशेष रूप से मुख्यमंत्री जैसे किसी संवैधानिक प्राधिकार के पत्रों की संवेदनशीलता को देखते हुए त्रुटिपूर्ण अनुवाद टूल से इस तरह का गलत अनुवाद अस्वीकार्य है।

कुख्यात अपराधी की हत्या के मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में कुख्यात अपराधी से रियल एस्टेट एजेंट बने व्यक्ति की उसकी मां के सामने ही हत्या किये जाने के संबंध में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। शिवप्रकाश उर्फ बिकलू शिवू की मंगलवार रात शहर के भारती नगर में धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गयी थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में जगदीश, किरण, विमल, अनिल और फ्रेडरिक शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार किये गये आरोपियों को शहर की एक अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 10 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। केआर पुरम विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक बैरती बसवराज भी आरोपियों में शामिल हैं हालांकि उन्हें अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। वहीं विधायक ने कहा कि उनका इस अपराध से किसी भी तरह से कोई लेना-देना नहीं है और उन्हें दुर्भावनापूर्ण इरादे से फंसाया गया है। शिवप्रकाश की मां विजयलक्ष्मी की शिकायत के आधार पर सभी आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस आने वाले दिनों में बसवराज को पूछताछ के लिए तलब कर सकती है।

बिहार का मुफ्त बिजली का वादा 'कर्नाटक मॉडल' जैसा : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का वादा 'कर्नाटक मॉडल' जैसा है। शिवकुमार ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए दावा किया कि पूरे देश में केवल कांग्रेस पार्टी ही जनता के कल्याण के लिए खड़ी रही है। उन्होंने कहा, आजादी के बाद से आज तक जब भी कांग्रेस पार्टी सत्ता में रही फिर चाहे केंद्र में हो या राज्य में, उसने कई योजनाएं लागू कीं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक ने ही पांच गारंटी के साथ इस चलन की शुरुआत की थी और कांग्रेस जनता के विकास के लिए ऐसा करती है। उन्होंने कहा, लेकिन दोबारा सत्ता में आने के लिए उन्होंने (भारतीय जनता पार्टी ने) मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में भी इसका इस्तेमाल किया।

शिवकुमार ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में जो कुछ भी दिया है, उसका पूरा देश अनुसरण कर रहा है। यह देश के लिए कर्नाटक मॉडल है। कांग्रेस सरकार की पांच गारंटी योजनाएं थीं सभी घरों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली (गृह ज्योति), प्रत्येक परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपये मासिक सहायता (गृह लक्ष्मी), बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को अतिरिक्त पांच किलोग्राम चावल (अन्न भाग्य), बेरोजगार स्नातक युवाओं को हर महीने 3,000 रुपये व डिप्लोमा धारकों को दो साल के लिए 1,500 रुपये (युवा निधि) और सार्वजनिक परिवहन बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा (शक्ति)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले एक बड़ा चुनावी वादा करते हुए बृहस्पतिवार को राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा की। कुमार ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा करते हुए बताया कि इस योजना का लाभ 1.67 करोड़ परिवारों को मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मुफ्त बिजली का लाभ एक अगस्त से प्रभावी होगा।

भूमि हड़पने का मामला

उच्चतम न्यायालय ने एचडी कुमारस्वामी के खिलाफ अवमानना कार्यवाही पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक के एक गांव में कथित तौर पर बड़े पैमाने पर भूमि अतिक्रमण के मामले में चल रही अवमानना कार्यवाही में केंद्रीय मंत्री एवं जनता दल (सेक्यूलर) नेता एचडी कुमारस्वामी को पक्षकार बनाने के आदेश पर बृहस्पतिवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के 17 अप्रैल के आदेश के खिलाफ केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री कुमारस्वामी की याचिका पर संज्ञान लिया और ''गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) समाज परिवर्तन समुदाय'' को नोटिस जारी किया। एनजीओ का प्रतिनिधित्व वकील प्रशांत भूषण कर रहे हैं।

एनजीओ ने बिड़दी के केथागनहल्ली गांव में कुमारस्वामी और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा बड़े पैमाने पर भूमि अतिक्रमण का आरोप लगाया है। शीर्ष अदालत ने इस बात का संज्ञान लिया कि एक खंडपीठ द्वारा पारित 14 जनवरी, 2020 के आदेश की कथित अवज्ञा के लिए उच्च न्यायालय के समक्ष अवमानना कार्यवाही लंबित है। पीठ ने कहा, रिट याचिका में उपरोक्त आदेश अतिरिक्त महाधिवक्ता के उस बयान के आधार पर उच्च न्यायालय द्वारा पारित किया गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि कर्नाटक सरकार लोकायुक्त द्वारा पांच अगस्त, 2014 को पारित आदेश का तीन सप्ताह के भीतर पालन करेगी।

पीठ ने कहा कि लोकायुक्त का आदेश विस्तृत, लेकिन अंतरिम प्रकृति का था और बाद में, लोकायुक्त ने अंततः तीन मार्च, 2021 को कार्यवाही बंद कर दी। शीर्ष अदालत ने जद(एस) नेता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी. ए. सुंदरम की दलीलें दर्ज कीं, जिसमें कहा गया कि लोकायुक्त के अंतरिम आदेश पर अवमानना की कार्यवाही नहीं हो सकती, क्योंकि उन्होंने (लोकायुक्त ने) बाद में मामला खुद ही बंद कर दिया था। न्यायालय ने कहा, दूसरा तर्क यह है कि प्रासंगिक समय पर, याचिकाकर्ता अवमानना कार्यवाही में पक्षकार नहीं थे, लेकिन फिर भी, उनके खिलाफ बेदखली की कार्रवाई की गई। इसलिए, इस न्यायालय ने 28 मई, 2025 के आदेश के तहत याचिकाकर्ता द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका का निपटारा करते हुए उन्हें उच्च न्यायालय के संज्ञान में यह बात लाने की स्वतंत्रता दी कि उनका नाम अवमानना कार्यवाही से हटा दिया गया है। सुंदरम ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद कुमारस्वामी ने उच्च न्यायालय में एक अर्जी दायर की, लेकिन उन्हें चल रही अवमानना कार्यवाही में पक्षकार बना दिया गया।

अभिनेत्री रान्या राव सोने की तस्करी के आरोप में जेल में, नहीं मिली जमानत

बेंगलूरु। कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री रान्या राव को सोने की तस्करी के एक मामले में विदेशी मुद्रा और तस्करी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (सीओएफईपीओएसए) के तहत एक साल की कैद की सजा सुनाई गई है। अधिकारियों ने कहा कि राव को उसकी सजा की पूरी अवधि के दौरान जमानत नहीं दी जाएगी।

इससे पहले राजस्व खुफिया निदेशालय के कानूनी रूप से निर्धारित समय सीमा के भीतर आरोपपत्र दाखिल करने में विफल रहने के बाद राव और सह-आरोपी तरुण राजू को 20 मई को शहर की एक अदालत ने स्वत: जमानत दे दी थी। दो लाख रुपये के बांड और जमानत शर्तों पर जमानत दिए जाने के बावजूद, रान्या और तरुण दोनों को सीओएफईपीओएसए के तहत निवारक निरोध आदेश के कारण हिरासत में रहना पड़ा, जो तस्करी गतिविधियों के संदेह के आधार पर औपचारिक आरोपों के बिना भी एक वर्ष तक हिरासत में रखने की अनुमति देता है।

मार्च में रान्या राव दुबई से यहां पहुंची थी और उसने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के ग्रीन चैनल से गुजरने का प्रयास किया जो आमतौर पर उन यात्रियों के लिए आरक्षित होता है जिनके पास शुल्क योग्य सामान नहीं होता। जब डीआरआई अधिकारियों ने उससे पूछताछ की तो वह चिंतित दिखाई दी। उसके संदिग्ध व्यवहार के कारण महिला अधिकारियों ने राव की गहन तलाशी ली। तलाशी में उसके पास से लगभग 12.56 करोड़ रुपये मूल्य का कुल 14.2 किलोग्राम सोना बरामद किया गया जिसके बाद उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। रान्या की पहले की ज़मानत याचिकाएं दो बार स्थानीय अदालतों और बाद में कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा खारिज कर दी गई थीं।

बेंगलूरु में बैंक के प्रवर्तकों के खिलाफ 100 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी' मामले में ईडी के छापे

बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय ने एक स्थानीय बैंक के प्रवर्तकों के खिलाफ 100 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को बेंगलूरु और आस पास कई जगहों पर छापे मारे। सूत्रों ने बताया कि यह जांच सुश्रुति सौहार्द बैंक, श्रुति सौहार्द बैंक और श्री लक्ष्मी सौहार्द बैंक तथा एन श्रीनिवास मूर्ति व उनके परिवार के सदस्य समेत बैंक के प्रवर्तकों से संबंधित है। प्रवर्तकों पर 15,000 से अधिक जमाकर्ताओं के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप है। धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत एजेंसी ने शहर और उसके आसपास कम से कम 15 जगहों पर छापेमारी की। प्रवर्तकों पर आरोप है कि उन्होंने 15,000 से अधिक जमाकर्ताओं को ज्यादा ब्याज पर धनराशि जमा करने का लालच देकर उनसे 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम ठग ली। यह धनराशि सहयोगियों को असुरक्षित ऋण के रूप में दे दी गई, अधिकांश ऋण गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) बन गए, इस धन का शोधन किया गया और संपत्तियां खरीदने में इस्तेमाल किया गया।

हत्या के मामले में कन्नड़ अभिनेता दर्शन को जमानत देने पर न्यायालय ने नाराजगी जताई

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने रेणुकास्वामी हत्याकांड में कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा की जमानत अर्जी मंजूर किये जाने पर बृहस्पतिवार को आपत्ति जताई। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि जिस तरह से उच्च न्यायालय ने अपने विवेकाधिकार का प्रयोग किया, उससे वह बिल्कुल भी ''सहमत नहीं'' है। पीठ ने अभिनेता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा कि वह उचित कारण बताएं कि शीर्ष अदालत को जमानत आदेश में हस्तक्षेप क्यों नहीं करना चाहिए। पीठ ने सिब्बल से कहा, ईमानदारी से कहूं तो, हम उच्च न्यायालय द्वारा विवेकाधिकार के प्रयोग के तरीके से संतुष्ट नहीं हैं। पूरी ईमानदारी से, हम यही कहेंगे।

पीठ ने कहा, ''हम आपकी बात सुनेंगे, क्योंकि आपके मुवक्किल जमानत पर हैं, लेकिन निश्चित तौर पर आपने देखा होगा कि उच्च न्यायालय ने किस तरह से आदेश दिया।'' सिब्बल ने पीठ से पुलिस और न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा दर्ज किए गए प्रमुख गवाहों के बयानों की पड़ताल करने का अनुरोध किया। यह पूछे जाने पर कि उच्च न्यायालय के आदेश का कौन सा भाग पीठ को परेशान कर रहा है, न्यायमूर्ति पारदीवाला ने उस भाग का उल्लेख किया, जहां उच्च न्यायालय यह रास्ता ढूंढ रहा था कि उन्हें (आरोपियों को) जमानत पर कैसे रिहा किया जाए।

डीआरयूसीसी की बैठक में राजस्थान जाने वाली ट्रेनों के फेरे बढ़ाने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे बेंगलूरु रेल मंडल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) की गुरुवार को मंडल रेल प्रबंधक सभागार में आयोजित बैठक में ट्रेन सेवाओं के विस्तार व नई ट्रेन चलाने के मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर समिति के सदस्य अश्विन सेमलानी ने जोधपुर और बेंगलूरु मे मध्य चलने वाली द्वि साप्ताहिक एक्सप्रेस को नियमित करने, मैसूरु-अजमेर के बीच चलने वाली द्वि साप्ताहिक एक्सप्रेस का ठहराव जवाईबांध स्टेशन पर करने तथा हुब्बल्ली और बेंगलूरु के बीच चलने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस का धारवाड़ तक विस्तार करने की मांग की। बैठक के दौरा मोहम्मद बेग ने बेंगलूरु-धर्मावरम एक्सप्रेस का विस्तार करने की मांग की। बैठक में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कृष्ण चैतन्य, सदस्य कर्णम रमेश, मिश्रीमल, जेडआयूसीसी सदस्य जी. वेणु के साथ अन्य सदस्य मौजूद थे।

बेंगलूरु-मंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर भूस्खलन से यातायात ठप

मंगलूरु। दक्षिण कन्नड़ जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण कडाबा तालुक के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर भूस्खलन हो गया, जिससे बेंगलूरु और मंगलूरु के बीच वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, भारी बारिश को देखते हुए पूरे जिले में आज स्कूल-कॉलेज भी बंद रहे। उपायुक्त कार्यालय ने बताया कि लगातार हो रही भारी वर्षा के चलते मंगलूरु-बंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर यह भूस्खलन धर्मस्थल के पास हुआ। इसके कारण दोनों शहरों के बीच ट्रकों, लॉरियों और बसों सहित भारी वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से रुक गई। हालांकि, कारों और दोपहिया वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से जाने को कहा गया है।

पुलिस अधीक्षक अरुण ने कहा, मिट्टी को साफ करने और यातायात बहाल करने के प्रयास जारी हैं। लोक निर्माण विभाग और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने रास्ता खोलने के प्रयासों में तेजी लाने के लिए टीमें और मशीनें तैनात की हैं।

टाटा स्मारक केंद्र
टाटा स्मारक अस्पताल
परेल, मुंबई

परमाणु ऊर्जा विभाग,
भारत सरकार का एक स्वायत्त संस्थान

उपलब्ध पद

अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति के लिए विशेष भर्ती

टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) निम्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

(स्थल: टाटा स्मारक अस्पताल, मुंबई)

क्र.	पदनाम
1.	मेडिकल फिजिसिस्ट 'सी'
2.	तकनीशियन 'सी' (आयसीयू / ओटी) /
3.	आशुलिपिक

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 08.08.2025 को सायं 05.30 बजे तक (भारतीय मानक समय) है।

कृपया हमारी वेबसाइट http://tmc.gov.in पर जाएं और 'करियर' (विज्ञापन संख्या TMC / D - 69 / 2025) पर क्लिक करें।

CBC 48149/12/0004/2526

भारत के नागरिकों व सेना के साथ छेड़खानी करने पर नतीजे भुगतने पड़ते हैं : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय सशस्त्र बलों के 'ऑपरेशन सिंदूर' की ओर इशारा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इसने पूरी दुनिया को यह मजबूत संदेश दिया कि किसी को भी भारत के नागरिक, उसकी सीमा या उसकी सेना से छेड़खानी नहीं करनी चाहिए वरना नतीजे भुगतने पड़ते हैं। शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को सुरक्षित करने का सबसे बड़ा काम किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के राज में देश आए दिन आतंकवादी हमलों से त्रस्त था, लेकिन अब ऐसा नहीं होता।

शाह ने कहा, पहले उरी में हमला हुआ तो मोदी ने 'सर्जिकल स्ट्राइक' की। पुलवामा में हमला हुआ 'एयर स्ट्राइक' की और पहलगाम में हमला किया गया तो 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से पाकिस्तान के घर में जाकर आतंकवादियों के परखच्चे उड़ा दिए और एक मजबूत संदेश पूरी दुनिया को भेजा कि भारत के नागरिक, भारत की सेना और भारत की सीमा... इनके साथ छेड़खानी नहीं करनी, वरना नतीजे भुगतने पड़ते हैं। उन्होंने कहा, मोदी जी ने यह संदेश देकर एक समृद्ध, सुरक्षित और विकसित भारत के स्वप्न को सच्चाई में बदलने का, जमीन पर उतारने का काम किया है।

गृह मंत्रालय के साथ-साथ सहकारिता मंत्रालय की जिम्मेदारी भी संभाल रहे शाह अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अवसर पर जयपुर के दादिया गांव में 'सहकार एवं रोजगार उत्सव' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत, दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और 27 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने का काम किया गया है। राजस्थान में भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि इस सरकार ने कम समय में ढेर सारे काम किए हैं। उन्होंने कहा, राजस्थान पेपर लीक से त्रस्त था, लेकिन भजनलाल सरकार ने एसआईटी (विशेष जांच दल) का गठन करके पेपर लीक माफिया को कठोर संदेश दिया है।

शाह ने कहा कि राज्य निवेश शिखर सम्मेलन के दौरान 35 लाख करोड़ रुपये के करार (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए और तीन लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर काम शुरू हो चुका है। गृह मंत्री ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर वैट कम किया और कई अन्य पहल कीं। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए भी राज्य सरकार की प्रशंसा की। शाह ने देश के विकास में सहकारिता आंदोलन के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि विगत सौ साल के अंदर सहकारिता ने देश के विकास में बड़ा योगदान दिया मगर आने वाले 100 साल सहकारिता के हैं।

उनके मुताबिक, हर गांव, हर गरीब, हर किसान तक सहकारिता को पहुंचाने के लक्ष्य के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र सरकार में एक स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने पिछले चार साल में इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए 61 पहल की हैं। शाह ने कहा, दो लाख नई पैक्स (प्राथमिक कृषि ऋण समितियां) बनाने का काम शुरू हो चुका है, जिनमें से 40,000 पैक्स बना ली गई हैं। उन्होंने राजस्थान के कृषि योगदान का भी जिक्र किया। मंत्री ने कहा, हमने सहकारिता का उपयोग करके ऊंटों की नस्ल संरक्षण और ऊंटनी के दूध के औषधीय गुणों के परीक्षण पर शोध शुरू किया है, जिससे आने वाले दिनों में ऊंटों के अस्तित्व पर कोई खतरा नहीं आएगा।

इससे पहले मुख्यमंत्री शर्मा ने अपनी सरकार के कार्यों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि सहकारी समितियों का लाभ कतार में खड़े अंतिम लोगों तक पहुंचे। इस दौरान शाह ने 24 खाद्यान्न भंडारण गोदामों और 64 बाजरा दुकानों का ऑनलाइन उद्घाटन किया और सहकारी उत्पादों की एक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा एवं दीया कुमारी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और अन्य नेता भी मौजूद थे।

सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले में भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा बुधवार आधी रात के बाद दो बजे अजमेर के मांगलियावास थाना क्षेत्र में अजमेर-जयपुर राजमार्ग पर उस समय हुआ जब एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई।

उसने बताया कि कार में पांच लोग सवार थे जिनमें से चार लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान डीडवाना जिले के चौसला गांव के निवासी सूरज, बजरंग, प्रेमचंद व कमलेश के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गहलोत ने शाह से कन्हैयालाल के परिवार को कब मिलेगा न्याय का किया सवाल ?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सवाल किया है कि उन्हें जनता को बताना चाहिए कि उदयपुर कन्हैयालाल हत्याकांड में कन्हैयालाल के परिवार एवं प्रदेशवासियों को आखिर न्याय कब मिलेगा। गहलोत ने गुरुवार को यहां अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में यह सवाल किया जब शाह जयपुर जिले के दादिया गांव आये हुए थे।

गहलोत ने कहा कन्हैयाला हत्याकांड ऐसी घटना थी जिसने पूरे देश को हिला के रख दिया था, जिस रूप में हत्या की गई, ऐसी मार्मिक घटना थी और हमनें चार घंटे में मुलजिम पकड़ लिए और फिर भी केस नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने ले लिया, हमने कोई ऐतराज नहीं किया। क्योंकि वह राष्ट्रीय एजेंसी है, हो सकता है उसमें कोई और एंगल हो, तो हमनें ऐतराज नहीं किया और उसके बावजूद भी उस केस को आज तक तीन साल हो गए हैं एनआईए अदालत जो है वहां कोई जज बैठते ही नहीं हैं खाली पड़ा रहता है, आज तक बयान एनआईए करा नहीं पाई उस केस के अंदर, परिवार और प्रदेशवासी न्याय मांग रहे हैं कब मिलेगा न्याय उनको।

उन्होंने कहा इस मामले को चुनाव में मुद्दा बनाया गया हमारे खिलाफ में और उसका हमें नुकसान भी हुआ। अब मैं पूछना चाहता हूं अमित शाहजी से आप राजस्थान पधारे हैं आपका स्वागत है पर कम से कम आज मीटिंगों में प्रदेशवासियों को जवाब देना चाहिए कि अभी तक इस मामले में आरोपियों को सजा क्यों नहीं हुई। हो सकता है राजस्थान सरकार इसको देखती, एसओजी देखती , एटीएस देखती, हो सकता है आज तक इनको सजा हो जाती चाहे वो आजीवन हो या फांसी की सजा हो कुछ भी हो पर सजा होके रहती।

शाह ने सौ नए पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को जयपुर के दादिया गांव में सहकार एवं रोजगार उत्सव में कार्यक्रम स्थल से थानों, सशस्त्र बलों, ट्रूप कैरियर तथा प्रशिक्षण के लिए सौ नए पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद शाह और शर्मा ने उत्सव के तहत सहकारिता विभाग की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी में विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन कर उत्पादों को देखा।

इस मौके केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं राज्य के सहकारिता मंत्री गौतम दक भी मौजूद थे। इसके बाद शाह अन्न उत्पाद विक्रय योजना का लोकार्पण किया। उन्होंने श्वेत क्रांति 2.0 की भी शुरुआत की और इसके पश्चात शर्मा एवं शाह ने समोराह को संबोधित किया। इससे पहले दक ने भी समारोह का संबोधित किया।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेम चंद बैरवा, शेखावत, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद मदन राठौड़ तथा मुख्य सचिव सुधांश पंत भी मौजूद थे।

अलग 'भील प्रदेश' की मांग को लेकर बांसवाड़ा में सभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अलग भील प्रदेश बनाने की मांग को लेकर आदिवासी समुदाय के लोग बृहस्पतिवार को बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम में एकत्रित हुए और सभा की। यह कार्यक्रम 'भील प्रदेश' मुक्ति मोर्चा और आदिवासी परिवार के बैनर तले आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के कुछ जिलों को मिलाकर एक अलग 'भील प्रदेश' बनाने की मांग पर जोर देना है। सभा को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। आदिवासी परिवार के संस्थापक सदस्य कांतिलाल रोत ने कहा, भील प्रदेश की मांग कई साल से की जा रही है। हमने कई बार आंदोलन किए और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने बताया कि राजस्थान और अन्य राज्यों के लोगों ने राजस्थान-मध्य प्रदेश सीमा पर बांसवाड़ा में स्थित मानगढ़ धाम में आयोजित इस कार्यक्रम में भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को, बांसवाड़ा से भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के सांसद राजकुमार रोत ने सोशल मीडिया पर 'भील प्रदेश' का कथित 'नक्शा' साझा किया। उन्होंने लोगों से बड़ी संख्या में रैली में शामिल होने का आह्वान भी किया। रोत ने सोशल मीडिया पर कहा था, भील प्रदेश की मांग आजादी के पहले से ही उठती आई है, क्योंकि यहां के लोगों की संस्कृति, भाषा, बोली और रीति रिवाज दूसरे प्रदेशों से अलग हैं और आदिवासी संस्कृति और सभ्यता को बचाने और उसके संरक्षण के लिए जरूरी है।

इसके जवाब में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राजेंद्र राठौड़ ने इस नक्शे की आलोचना करते हुए इसे असंवैधानिक और राज्य-विरोधी कदम बताया।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, राजस्थान की आन, बान और शान को तोड़ने की साजिश कभी सफल नहीं होगी। बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद राजकुमार रोत द्वारा जारी किया गया तथाकथित भील प्रदेश का नक्शा एक शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक स्टंट है। यह न केवल गौरवशाली राजस्थान की एकता पर चोट है बल्कि आदिवासी समाज के नाम पर भ्रम फैलाने और सस्ती लोकप्रियता पाने की कोशिश भी है। रोत ने इसके जवाब में लिखा कि भारत के संविधान में नवीन राज्यों के निर्माण और पुनर्गठन के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लेख है और स्वतंत्र भारत में विभिन्न आधार पर कई नए राज्यों का गठन हुआ है।

उन्होंने कहा कि 'भील प्रदेश' भी राज्य बनने के लिए भाषाई-सांस्कृतिक-भौगोलिक एकरूपता, संसाधनों का असमान वितरण एवं आर्थिक विकास की जरूरत जैसे विभिन्न मापदंड पूरे करता है।

ओम बिरला ने बाढ़ पीड़ितों के परिजन से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। कोटा-बूंदी से सांसद ओम बिरला ने कोटा जिले के वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का बुधवार को दौरा किया और उन लोगों के परिवारों से मुलाकात की जो पिछले कुछ दिनों में या तो बहने या अन्य कारणों से मारे गए। लोकसभा अध्यक्ष ने आवासीय क्षेत्रों में वर्षा जल के प्रवेश को रोकने के लिए किए जा रहे विकास कार्यों और वृक्षारोपण का भी जायजा लिया। बिरला सबसे पहले रणपुर क्षेत्र गए, जहां भारी बारिश से व्यापक नुकसान हुआ है।

उन्होंने उस स्थान का दौरा किया जहां सोमवार को 27 वर्षीय एक महिला अपने एक रिश्तेदार के साथ स्कूटर पर नाले को पार करते समय उसमें बह गई थी।

बिरला ने जलभराव को रोकने के लिए रणपुर तालाब और अलानिया क्षेत्र से पानी को चंबल नदी की ओर मोड़ने की योजना पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को नालों की क्षमता बढ़ाने के भी निर्देश दिए।

राष्ट्रपति ने डूंगरपुर जिले को किया राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

जयपुर/दक्षिण भारत । राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राज्य के आदिवासी बहुल जिले डूंगरपुर को स्वच्छता के क्षेत्र में 'सुपर स्वच्छ लीग शहर' राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया है। इसी शृंखला में जयपुर ग्रेटर नगर निगम को भी स्वच्छता में राज्य स्तर पर श्रेष्ठ कार्यो के लिए 'प्रॉमिसिंग स्वच्छ शहर' के अवार्ड से सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में गुरूवार को आयोजित समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से यह पुरस्कार राजस्थान के नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री झाबर सिंह खर्रा ने प्राप्त किया। इस अवसर पर डूंगरपुर नगर परिषद के सभापति श्री अमृत कलासुआ और आयुक्त भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री खर्रा ने कहा राजस्थान के आदिवासी बहुल शहर डूंगरपुर ने यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस उपलब्धि का श्रेय नगर परिषद कार्मिकों और डूंगरपुर की जागरूक जनता को जाता है।

उच्च शिक्षण संस्थाओं में नामांकन और परीक्षा ही एक मात्र नहीं होना चाहिए ध्येय : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा है कि उच्च शिक्षण संस्थाओं में नामांकन और परीक्षा ही एक मात्र ध्येय नहीं होना चाहिए। वहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए निरंतर कार्य हो, इसके प्रयास किये जाने चाहिए। बागड़े गुरुवार को राजभवन में विश्वविद्यालयों के नेक एक्रीडेशन और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता से सम्बन्धित विशेष समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में यह किया गया है कि जिस कॉलेज में सुविधा नहीं, अच्छे शिक्षक रखने की क्षमता नहीं है तो उसे बंद किया जाता है। यही व्यवस्था सभी स्थानों पर होनी चाहिए। उन्होंने एक वर्ष पहले राज्य में सभी विश्वविद्यालयों के नेक एक्रीडेशन के लिए हुई पहल की चर्चा करते हुए कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय को सफलता मिली हैं। प्रयास करें जल्द दूसरे विश्वविद्यालय भी इस सम्बन्ध में निर्धारित औपचारिकताएं पूरी कर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में पाठयपुस्तको के अलावा भी दूसरे विषयों का सम सामयिक ज्ञान विद्यार्थियों को दिया जाए। इसी से शिक्षा युगानुकुल हो सकेगी।

उन्होंने शिक्षण संस्थाओं में विद्यार्थियों की बौद्धिक और शारीरिक क्षमता में वृद्धि के लिए विद्यार्थियों को कॉपी करके पास होने की प्रवृति की बजाय शिक्षको द्वारा परिवेश की समझ, भारतीय प्राचीन ज्ञान की समृद्ध दृष्टि और आधुनिक विकास से जुड़े समय संदर्भों की जानकारी से समृद्ध किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नए उच्च शिक्षण संस्थान की शिक्षा विभाग अनुमति दें तो यह देखें कि वहां पढ़ाने की अच्छी व्यवस्था, विद्यार्थियों के लिए बेसिक सुविधाएं हों। संस्थान अच्छे प्रोफेशर रखने की क्षमता रखता है भी या नहीं, इसे विशेष रूप से सुनिश्चित किया जाए।

स्कूलों में महिला कर्मचारियों-छात्राओं के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करें: ओडिशा सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। बालासोर की एक कॉलेज छात्रा की मौत पर देशभर में फैले आक्रोश के मद्देनजर ओडिशा सरकार ने बृहस्पतिवार को सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) से स्कूलों में महिला कर्मचारियों और छात्राओं के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने को कहा।

सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को लिखे पत्र में स्कूल एवं जन शिक्षा सचिव शालिनी पंडित ने उनसे कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत प्रासंगिक प्रावधानों को लागू करने को कहा। उन्होंने कहा, आपको उपरोक्त निर्देश के कार्यान्वयन की समीक्षा करने, सभी पात्र प्रतिष्ठानों में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का समय पर गठन और पुनर्गठन करने तथा आपके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सभी कार्यस्थलों पर अधिनियम के प्रावधानों का अक्षरशः पालन करने का निर्देश दिया जाता है। सचिव ने डीईओ से यह भी कहा कि वे विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक-भावनात्मक कल्याण के लिए स्कूलों में सुरक्षित वातावरण तैयार करें।

जिला शिक्षा अधिकारियों को सभी कार्यस्थलों, स्कूलों और छात्रावासों में प्रमुख स्थानों पर हेल्पलाइन नंबर (महिला हेल्पलाइन-181, बाल हेल्पलाइन-1098, पुलिस हेल्पलाइन-112, स्कूली छात्र हेल्पलाइन-18003456722) प्रदर्शित करने के लिए कहा गया।

बालासोर के एक कॉलेज की बीएड छात्रा की सोमवार रात एम्स-भुवनेश्वर में मौत हो गई।

उसने कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने वाले प्रोफेसर के खिलाफ कार्रवाई नहीं किए जाने पर शनिवार को कॉलेज परिसर में खुद को आग लगा ली थी।

राहुल गांधी का भ्रष्टाचार के बारे में बातें करना ऐसा है जैसे चोर चौकीदारी की बात करे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। असम में कांग्रेस के सत्ता में आने पर भ्रष्टाचार को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को जेल भेजने संबंधी राहुल गांधी के दावे की तीखी आलोचना करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कहा कि भ्रष्टाचार के बारे में कांग्रेस नेता का बात करना ऐसा लग रहा है जैसे कि चोर चौकीदारी की बात करे।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने गांधी पर कांग्रेस की लगातार चुनावी हार के बहाने ढूंढने की कोशिश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गांधी खुद भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं और जमानत पर हैं। उनका इशारा नेशनल हेराल्ड मामले की ओर था।

इस्लाम ने संवाददाताओं से कहा, ''यह बड़ी विडंबना है कि जमानत पर छूटा कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री को जेल भेजने की बात करता है। उन्हें किसी निर्वाचित मुख्यमंत्री को धमकाने का कोई अधिकार नहीं है। जरा ठहरिए, राहुल गांधी खुद भी जेल जा सकते हैं।''

भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि राहुल खुद को राजा समझते हैं लेकिन लोगों ने उन्हें तीन बार खारिज कर दिया है तथा भ्रष्टाचार एवं अराजकता पर आधारित उनके मॉडल को बार-बार अस्वीकार किया है।

कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके गांधी ने एक दिन पहले असम में यह बयान देकर हलचल मचा दी थी कि कांग्रेस अगले साल विधानसभा चुनाव में भारी जीत हासिल करेगी तथा पार्टी कार्यकर्ता शर्मा को जेल भेज देंगे।

इस्लाम ने कहा, ''यह तो ऐसा ही है जैसे चोर चौकीदार की बात करे।'' भारतीय जनता पार्टी नेता ने कांग्रेस नेता पर कटाक्ष करते हुए कहा कि शर्मा एक लोकप्रिय निर्वाचित नेता हैं जिनके सुशासन पर राज्य के मतदाताओं ने मुहर लगायी। उन्होंने कहा कि वह गांधी की रहमोकरम के कारण नहीं जीते हैं।

भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि गांधी और 'इंडिया' गठबंधन में राजद के तेजस्वी यादव समेत अन्य नेता बिहार में मतदाता सूची के निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को निशाना बनाकर अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांधी अब असम में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता चुनावों में अपनी पार्टी की हार के बहाने ढूंढते रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस जहां कभी भी सत्ता में है वहां गांधी का शासन मॉडल विफल रहा है।

इस्लाम ने दावा किया कि कांग्रेस कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों में अपने वादे पूरे करने में विफल रही है।

इस्लाम ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ा तोहफ़ा है और जनता की आवाज सुनने वाली सरकार का एक उदाहरण है।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली है, अब इस्तीफा दें : ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि चूंकि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम आतंकी हमले में सुरक्षा विफलता की जिम्मेदारी ली है, इसलिए उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

उन्होंने महाराष्ट्र के नांदेड़ में पत्रकारों से कहा कि वह संसद के आगामी मानसून सत्र में मोदी सरकार से 22 अप्रैल को पहलगाम के पास बैसरन में हुए आतंकी हमले पर जवाब मांगेंगे जिसमें 26 लोग मारे गए थे। हैदराबाद के सांसद ओवैसी उस बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे जिसने पहलगाम हमले के बाद भारत के आतंकवाद-विरोधी रुख और उसके 'ऑपरेशन सिंदूर' को दुनिया के सामने प्रमुखता से रखने के लिए बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब और अल्जीरिया की यात्रा की थी।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हाल में एक अखबार को दिए साक्षात्कार में स्वीकार किया कि पहलगाम हमला खुफिया विफलता के कारण हुआ और वह इसकी जिम्मेदारी लेते हैं। इस बारे में पूछे जाने पर ओवैसी ने कहा,''अगर उन्होंने (जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने) जिम्मेदारी ली है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। पहलगाम में 26 भारतीयों को उनका धर्म पूछकर बेरहमी से मार डाला गया क्योंकि वे हिंदू थे। अगर उपराज्यपाल को इतनी पीड़ा हो रही है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''26 लोगों की हत्या उनका धर्म पूछकर कर दी गई और आप (जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल) यह बात तब कह रहे हैं जब आपका कार्यकाल समाप्त होने वाला है।''

चुनावों में धांधली की सुनियोजित चाल है पुनरीक्षण की कवायद : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि बिहार में जारी मतदाता सूची की विशेष व्यापक पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया सुनियोजित चाल है, जिसका मकसद बड़े पैमाने पर लोगों को मताधिकार से वंचित करके चुनावों में धांधली करना है।

पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार में एक पत्रकार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने का हवाला देते हुए सवाल किया कि यह क्या 'इलेक्शन कमीशन (निर्वाचन आयोग)' है या फिर पूरी तरह भारतीय जनता पार्टी की 'इलेक्शन चोरी' शाखा बन चुका है। बिहार के बेगूसराय में विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाने के आरोप में पत्रकार अजीत अंजुम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह कार्रवाई उनके यूट्यूब चैनल पर 12 जुलाई को अपलोड किए गए एक वीडियो के आधार पर की गई है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, बिहार में चुनाव आयोग एसआईआर के नाम पर वोट चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। काम सिर्फ़ चोरी, नाम एसआईआर- पर्दाफाश करने वाले पर होगी एफआईआर। उन्होंने सवाल किया कि क्या निर्वाचन आयोग 'इलेक्शन कमीशन' है या यह पूरी तरह भारतीय जनता पार्टी की 'इलेक्शन चोरी' शाखा बन चुका है? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक यूट्यूब वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''यह अशोक लवासा हैं, जो 2018 से 2020 तक चुनाव आयुक्त रहे, वह बिहार में जारी एसआईआर अभ्यास की सच्चाई उजागर कर रहे हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''मतदाता सूची के इस विशेष व्यापक पुनरीक्षण की प्रक्रिया एक सुनियोजित और धूर्ततापूर्ण चाल है, जिसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर मताधिकार से वंचित करके चुनावों में धांधली करना है। जिस प्रधानमंत्री ने नोटबंदी की थी, वही अब वोटबंदी को अंजाम दे रहे हैं।''

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि जनता पूछ रही है क्या एसआईआर के नाम पर बिहार में 'वोटबंदी' लागू की जा रही है? उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मीडिया में छप रही खबरों के मुताबिक, पूरी प्रक्रिया में भयंकर अनियमितताएं और फर्जीवाड़ा सामने आ रहा है। जनता में अफरा-तफरी का माहौल है और चुनाव आयोग सारे सवालों पर मौन है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि चुनाव आयोग किसके लिए काम कर रहा है और उसका मकसद क्या है?''

कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''याद रहे, पहले भी देश की जनता ने संविधान को कुचलने की हर कोशिश को नाकाम किया है और इस बार भी नाकाम करेगी।''

पटना में पैरोल पर बाहर आए हत्या के दोषी को गोली मारी गई, मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। पटना स्थित एक निजी अस्पताल में हथियारबंद कुछ लोगों ने पैरोल पर जेल से बाहर आए हत्या के दोषी को बृहस्पतिवार को गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान बक्सर जिले के निवासी चंदन के रूप में हुई है और वह इलाज के लिए अस्पताल गया था।

घटना का कथित सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इसमें दिखाई दे रहा है कि पांच हथियारबंद लोग अस्पताल के आईसीयू में घुस रहे हैं और व्यक्ति पर गोलियां चला रहे हैं। 'पीटीआई-भाषा' स्वतंत्र रूप से वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सकी। पटना (मध्य) की पुलिस अधीक्षक दीक्षा ने कहा, ''हम अस्पताल अधिकारियों से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं और हत्यारों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि हत्या के मामले में दोषी करार दिया गया चंदन बेउर जेल में कैदी था और पैरोल पर इलाज के लिए अस्पताल गया था।

दीक्षा ने बताया, ''पुलिस को सूचना मिली कि बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे पटना के एक निजी अस्पताल में कुछ हथियारबंद लोगों ने एक व्यक्ति को गोली मार दी। घटना उस समय हुई जब वह अस्पताल में इलाज के लिए आया था। वह पैरोल पर जेल से बाहर आया था।''

अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति को अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

बिहार में 5.76 लाख से अधिक मतदाता कई स्थानों पर हैं पंजीकृत: निर्वाचन आयोग के आंकड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बिहार में यह पाया है कि 5.76 लाख से अधिक मतदाता कई स्थानों पर पंजीकृत हैं और 12.55 लाख से अधिक मतदाताओं की संभवतः मृत्यु हो चुकी है।

राज्य की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जारी रहने के बीच, आधिकारिक आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि बूथ स्तर के अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर किए गए सर्वेक्षण के दौरान लगभग 7.90 करोड़ मतदाताओं में से 35.69 लाख से अधिक मतदाता अपने पते पर नहीं पाये गए। आंकड़ों के अनुसार, 17.37 लाख से अधिक मतदाता संभवतः स्थायी रूप से दूसरे स्थानों पर चले गए हैं। निर्वाचन आयोग ने रेखांकित किया कि आने वाले दिनों में इन आंकड़ों में बदलाव देखने को मिलेगा।

आयोग ने 14 जुलाई को कहा था कि बिहार के कुल 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 6.60 करोड़ से अधिक या 83.66 प्रतिशत के नाम एक अगस्त को प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची के मसौदे में शामिल किए जाएंगे। सूची में वे सभी मतदाता शामिल होंगे, जिनके फॉर्म समय सीमा तक प्राप्त हो गए हैं।

अखबारों में विज्ञापनों और सीधे संपर्क के माध्यम से उन मतदाताओं को सूचित करने के प्रयास किए जा रहे हैं जो अस्थायी रूप से राज्य से बाहर हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे समय पर अपने गणना फॉर्म (ईएफ) भर सकें और उनका नाम मसौदा सूची में भी शामिल हो जाए।

तेजस्वी ने 35 लाख मतदाताओं के पते पर नहीं मिलने के

निर्वाचन आयोग के दावे को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को बिहार में मतदाता सूची के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 35 लाख से ज्यादा मतदाताओं के अपने पंजीकृत पतों पर नहीं मिलने के निर्वाचन आयोग के दावे को खारिज कर दिया।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा का एक 'प्रकोष्ठ' बन गया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर दुष्प्रचार कर रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में निर्वाचन आयोग ने बुधवार को जारी एक बयान में दावा किया गया कि आयोग को बिहार में 7.9 करोड़ मतदाताओं में से लगभग सात करोड़ लोगों द्वारा जमा किए गए गणना प्रपत्र प्राप्त हुए हैं। 'अपने पंजीकृत पतों पर नहीं पाए गए' मतदाताओं की कुल संख्या 35.69 लाख है। तेजस्वी ने दावा किया, हमें जानकारी मिली है कि आयोग को सत्तारूढ़ दल से 15 प्रतिशत तक मतदाताओं के नाम हटाने के निर्देश मिल रहे हैं। नदी किनारे वाले इलाकों में रहने वाले लोग विशेष रूप से असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, हम पुनरीक्षण का विरोध कर रहे हैं लेकिन निर्वाचन आयोग अपने दुष्प्रचार के जरिए बिहार में जो हासिल करने की कोशिश कर रहा है, वह खतरनाक है। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि एक बार विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए इन मतदाता सूचियों में हेरफेर हो गया, तो इसका असर बाद में होने वाले पंचायत चुनावों पर भी पड़ेगा। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने आयोग के पुनरीक्षण के दावे पर भी सवाल उठाया। पुनरीक्षण के लिए 25 जुलाई की समय सीमा तय की गई है और यह काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। तेजस्वी ने दावा किया कि 'करीब 15 दिन पहले तक हजारों मतदान केंद्र ऐसे थे, जहां कोई बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) नहीं था। राजद नेता ने एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया गया कि बीएलओ को समय सीमा पूरी करने के लिए मतदाताओं की ओर से फॉर्म भरने और हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया है।

पटना जिले के फुलवारी शरीफ इलाके के बताये जा रहे इस वीडियो को जिला प्रशासन ने 'फर्जी' और 'भ्रामक' करार दिया है। राजद नेता ने आयोग से यह भी जानना चाहा कि मतदाताओं के नाम काटने से पहले उन्हें उनके पंजीकृत पते से 'स्थानांतरित' घोषित करने के लिए वह कौन से 'मानदंड' अपनाएगा। तेजस्वी ने आरोप लगाया, हालांकि कुछ लोग मर चुके होंगे या स्थायी रूप से चले गए होंगे लेकिन ऐसे कई मतदाता बेहतर शिक्षा या नौकरी के अवसरों के लिए देश के दूसरे हिस्से में रहे होंगे। अगर उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाते हैं, तो उन्हें सरकारी सब्सिडी और अन्य लाभों से वंचित किया जा सकता है क्योंकि उनकी नागरिकता पर ही सवाल उठेंगे। उन्होंने मांग रखी, मतदाता सूची से किसी का भी नाम हटाने से पहले आयोग हमारे साथ सभी विवरण साझा करे। हम अपने स्तर पर जांच करवाएंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसी भी व्यक्ति को गलत तरीके से मताधिकार से वंचित नहीं किया जाए। राजद नेता ने कहा कि वह 'देश भर के राजनेताओं' को पत्र लिखकर इस मुद्दे की ओर उनका ध्यान आकर्षित करेंगे क्योंकि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू जैसे राजग सहयोगी ने भी इसपर चिंता जताई है जबकि हमारे अपने नीतीश कुमार चुप हैं।

ओडिशा के संबलपुर में छात्रा का यौन शोषण करने के आरोप में सहायक प्रोफेसर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संबलपुर/भाषा। ओडिशा के संबलपुर में एक सरकारी विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर को 20 वर्षीय छात्रा का यौन शोषण करने के आरोप में बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

उसने बताया कि छात्रा की शिकायत पर संबलपुर महिला थाने ने मामला दर्ज किया तथा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने बताया कि शिकायत के अनुसार सहायक प्रोफेसर ने शादी का वादा कर अपने आधिकारिक आवास पर छात्रा का यौन शोषण किया लेकिन बाद में विवाह से इनकार कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह आरोप बालासोर के एक कॉलेज की 20 वर्षीय छात्रा द्वारा कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने वाले एक प्रोफेसर के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने के कारण आत्मदाह कर लिए जाने के कुछ दिन बाद सामने आया है। लगभग 60 घंटे तक ज़िंदगी और मौत के बीच जूझने के बाद सोमवार रात एम्स-भुवनेश्वर में उस छात्रा की मौत हो गई थी।

एनआईए ने असम में कई आईईडी धमाकों की साजिश में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने पिछले साल असम में बरामद कई आईईडी के सिलसिले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर धमाके करने की साजिश के तहत इन आईईडी को गुवाहाटी में प्रतिबंधित उग्रवादी समूह उल्फा (आई) ने लगाया था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान असम के डिब्रूगढ़ जिले के निवासी भार्गोब गोगोई और सुमू गोगोई के तौर पर की गई है और दोनों प्रतिबंधित समूह की आतंक फैलाने और राष्ट्र की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता को खतरा पहुंचाने की साजिश में सीधे तौर पर शामिल थे।

राष्ट्रीय खेल विधेयक के मसौदे को तैयार करने में आईओसी से परामर्श किया गया : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक का मसौदा न केवल यहां के हितधारकों, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) और विश्व में फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से भी राय लेकर तैयार किया गया है।

यह विधेयक 21 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए), राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ), कॉरपोरेट जगत और खिलाड़ियों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी वाले एक दिवसीय 'खेलो भारत सम्मेलन' को

संबोधित करते हुए मंत्री ने विधेयक पारित कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जिसके लिए उन्होंने पूर्व खेल मंत्री और कांग्रेस नेता अजय माकन से भी चर्चा की है।

मांडविया ने कहा, ''मैंने एनएसएफ, खिलाड़ियों, कोचों के साथ कई बार विचार-विमर्श किया और जब ड्राफ्ट को सुझावों के लिए ऑनलाइन डाला गया तो जनता से 600 इनपुट भी प्राप्त किए। मैंने खेलों से जुड़े वकीलों के साथ भी तीन घंटे की बैठक की ताकि उनका दृष्टिकोण समझा जा सके।'' उन्होंने कहा, ''आईओसी के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय खेल महासंघों से भी परामर्श किया गया। फीफा का एक सवाल था और मैंने उनके साथ चर्चा करने के लिए एक अधिकारी को उनके मुख्यालय भेजा। राष्ट्रीय खेल विधेयक अब पूरी तरह से तैयार है और इसे मानसून सत्र के दौरान संसद में पेश किया जाएगा।''

विधेयक में देश के खेल प्रशासकों को एक नियामक बोर्ड के प्रावधान के साथ अधिक जवाबदेह बनाने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा विधेयक में शासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नैतिकता आयोग और विवाद समाधान आयोग की स्थापना का प्रस्ताव है।

आईओए ने इसका विरोध किया है, जिसका मानना है कि नियामक बोर्ड सभी एनएसएफ के लिए नोडल निकाय के रूप में उसकी स्थिति को कमजोर करेगा।

मांडविया ने कहा, ''मैंने अजय माकन (वरिष्ठ कांग्रेस नेता) से भी बात की। उन्होंने इस विधेयक को पारित करवाने के लिए अच्छे प्रयास किए हैं।''

विश्व कप में अभी समय है, एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं : दीप्ति शर्मा

साउथम्पटन/भाषा। अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का मानना है कि जहां तक आगामी महिला एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियों का सवाल है तो भारतीय टीम सही राह पर है लेकिन उन्होंने कहा कि अभी इस टूर्नामेंट के आयोजन में दो महीने का समय है और फिलहाल टीम का ध्यान इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा शृंखला पर केंद्रित है। दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार को यहां खेले गए पहले वनडे में नाबाद 62 रन बनाकर भारत की 4 विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई।

भारतीय टीम महिला वनडे विश्व कप से पहले 14 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ स्वदेश में वनडे शृंखला खेलेगी। विश्व कप 30 सितंबर से खेला जाएगा जिसमें भारतीय टीम का पहला मैच श्रीलंका से होगा। दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे के बाद संवाददाताओं से कहा, ''जहां तक विश्व कप के लिए तैयारी का सवाल है तो हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हमने एक टीम के रूप में श्रीलंका और यहां अच्छा प्रदर्शन किया है। विश्व कप में अभी समय है और अभी हम एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'' उनका मानना है कि उनकी शांतचित्तता ने लक्ष्य को आसानी से हासिल करने में मदद की और रोड्रिग्स के साथ उनकी 90 रन की साझेदारी महत्वपूर्ण साबित हुई। उन्होंने कहा, '' मैं जानती हूं कि मैं शांत रहकर पूरे धैर्य के साथ पारी आगे बढ़ा सकती हूं। यह (रोड्रिग्स के साथ साझेदारी) हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था।''

सुविचार

सफलता पाने के लिए आत्म-विश्वास जरुरी है, और आत्म-विश्वास के लिए तैयारी !

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इतिहास का ज्ञान, भविष्य का निर्माण

एनसीईआरटी ने आठवीं कक्षा की नई पाठ्यपुस्तक में मुगल शासकों के बारे में जो जानकारी दी है, उससे विद्यार्थियों को इनकी असलियत से रू-ब-रू होने में मदद मिलेगी। पिछले कई दशकों से पुस्तकों में मुगल शासकों का गुणगान किया जा रहा था। उन्हें न्यायकर्ता, संस्कृति के निर्माता, कलाप्रेमी, दयालु आदि बताया जा रहा था, जबकि हकीकत इससे कहीं अलग है। यह कहकर उनकी कथित महानता के किस्से खूब प्रचारित किए गए कि उन्होंने सुंदर इमारतों का निर्माण करवाया था। ऐसा कहने वाले यह नहीं बता पाते कि यहां आने से पहले मुगल जिन इलाकों में रहे, जहां शासन किया था, वहां कौनसी सुंदर इमारतें बना दीं और विकास का कौनसा उल्लेखनीय काम किया था? उन्होंने भारत में जो भी इमारतें बनाईं, वे भारतीयों की जमीन पर बनाईं, उनके निर्माण में भारतीयों का खून-पसीना लगा था। हमें इतिहास का ज्ञान होना चाहिए। जिन्हें अपना इतिहास मालूम नहीं होगा, वे भविष्य का निर्माण कैसे करेंगे और उन गलतियों से कैसे सीखेंगे, जो उनके पूर्वजों से हुई थीं? फलां बादशाह कब जन्मे और कब परलोक सिधार गए – इतिहास सिर्फ इन तिथियों और तथ्यों का संग्रह मात्र नहीं होता है। इस पर भविष्य की नींव टिकी होती है। आज हम जो कुछ भी हैं, इतिहास की कई घटनाओं के कारण हैं। जब बच्चों को स्कूलों में इतिहास का पाठ पढ़ाया जाता है तो बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। उसमें न तो अतिशयोक्ति होनी चाहिए और न ही किसी की उपेक्षा होनी चाहिए। दुर्भाग्य से ऐसा हुआ है। हमारे पाठ्यक्रम में ऐसे कई नेताओं की अनदेखी की गई या उनके योगदान के बारे में बहुत कम जानकारी दी गई, जिन्होंने देश की आज़ादी के लिए बड़े त्याग किए, महान बलिदान दिए थे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, रास बिहारी बोस, चंद्रशेखर आज़ाद जैसे कई नाम हैं, जिनके बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से बताना चाहिए। ये कैसा भारत बनाना चाहते थे? यह समझाना चाहिए।

इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में इस बात का खास तौर से जिक्र होना चाहिए कि हम विदेशी शासकों के गुलाम क्यों हुए थे? क्या वजह थी कि मामूली लुटेरे भी यहां आकर हुकूमत करने लगे थे? हमारे पूर्वज करोड़ों की तादाद में थे। इसके बावजूद मुट्ठीभर विदेशी लुटेरे यहां सदियों तक कैसे काबिज रहे? किन लोगों ने उनकी मदद की थी? वे कैसे हमारे समाज में फूट डालते रहे? हमारे साथ कैसे धोखा हुआ? अतीत में हुईं कुछ अप्रिय घटनाओं को कैसे टाला जा सकता था? अगर वे न होतीं तो आज का भारत कैसा होता? बच्चों को यह सब बताना चाहिए। इससे वे इतिहास की घटनाओं से सबक लेंगे और भविष्य में उन गलतियों को दोहराने से बचेंगे। यह देखकर आश्चर्य होता है कि कई स्कूली बच्चों को वर्ष 1965 और 1971 के युद्ध के बारे में कोई जानकारी नहीं है! उन्हें यह भी नहीं मालूम कि कारगिल युद्ध कब हुआ था, क्यों हुआ था! शत्रुबोध का अभाव यहीं से शुरू होता है। पांचवीं कक्षा तक के हर बच्चे को इन घटनाओं के बारे में मालूम हो जाना चाहिए। अगर पाकिस्तान, चीन जैसे देशों के संबंध में शत्रुबोध ही नहीं होगा तो भविष्य में दृढ़ कैसे रहेंगे? विद्यार्थियों को इतिहास के ज्ञान के साथ ही वर्तमान की चुनौतियों के बारे में भी जानकारी देनी चाहिए। इसके लिए सुबह प्रार्थना सभा में नियमित रूप से समाचार पत्रों का वाचन होना चाहिए। विद्यार्थियों को हमारे पड़ोसी देशों और बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के बारे में जरूर समझाना चाहिए। इतिहास के ज्ञान और बेहतर वर्तमान से ही सुनहरे भविष्य का निर्माण संभव है।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान, देश के कृषि विकास में बहुत बड़ा योगदान दे रहा है। ग्वार का उत्पादन 90 प्रतिशत से ज्यादा, 46 प्रतिशत सरसों, 44 प्रतिशत बाजरा, 22 प्रतिशत तिलहन और 15 प्रतिशत मिलेट्स के साथ इनके उत्पादन में राजस्थान देश में पहले नंबर हैं।

-अमित शाह

श्रीनगर में हमला करने आए पाकिस्तान के छह एफ-86 विमानों के सामने फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों अकेले थे। वे अकेले ही छह के छह पर भारी पड़ गए। उन्होंने अपने फाइटर जेट से दुश्मन का एक लड़ाकू विमान मार गिराया। दूसरा बेकार कर दिया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कोटा के रामगंजमंडी में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। लगातार तेज बारिश के चलते रामगंजमंडी एवं आसपास के ग्रामीण अंचलों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हुई है। प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनीं और राहत कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

अन्याय से सीढ़ियां

एक दिन कर्ण, मन में गहरे दर्द और अन्याय की टीस लिए भगवान श्रीकृष्ण के पास पहुंचे। उनकी आंखों में आक्रोश और मन में पीड़ा थी। उन्होंने कहा, 'हे मधुसूदन! जन्म लेते ही मां ने त्याग दिया। गुरु द्रोण ने शिक्षा देने से मना कर दिया। द्रौपदी के स्वयंवर से मुझे अपमानित करके भगा दिया गया। पिता कहलाने वाला व्यक्ति जीवनभर छिपा रहा। क्या मेरा कसूर सिर्फ यह था कि मैं सूतपुत्र था?' कृष्ण मुस्कराए, कर्ण की आंखों में गहराई से देखा और शांत स्वर में बोले, 'हे सूर्यपुत्र! तेरा दर्द तेरा है, पर सुन मेरी भी कहानी। मेरा जन्म ही जेल में हुआ। जन्म लेते ही मां-बाप से अलग कर दिया गया। मैंने गायें चराईं, गोबर उठाया। मेरा सगा मामा मेरी जान का दुश्मन था। बचपन से मृत्यु की छाया में पला। तेरी तरह मेरी भी चुनौतियां कम नहीं थीं। मेरे जीवन में भी अन्याय की कमी नहीं थी, पर अंतर यह था कि तू बीते कल की कड़वाहट में जीता रहा, और मैंने हर अन्याय का उत्तर अपनी कर्मभूमि से दिया।' कृष्ण आगे बोले, 'प्रश्न यह नहीं है कि तुम्हारे साथ अन्याय हुआ या नहीं। प्रश्न यह है कि तुम उस अन्याय का उत्तर कैसे देते हो।' कर्ण मौन रह गया।

सामयिक

शुभांशु शुक्ला की सफलता और अंतरिक्ष स्टेशन की महत्वाकांक्षा

डॉ. आर. बी. चौधरी

भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 15 जुलाई, 2025 को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से 18 दिन का ऐतिहासिक अभियान पूरा कर सकुशल धरती पर लौट आए हैं। उनका यह अभियान एक्सिओम-4 (एक्स-4) अंतरिक्ष यान से पूरा हुआ। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए बड़ी उपलब्धि है। शुभांशु शुक्ला की यह यात्रा अंतरिक्ष में मानव को भेजने की भारत की बढ़ती क्षमता को दिखाती है। साथ ही, यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 2035 तक अपना खुद का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की महत्वाकांक्षी योजना की नींव भी रखती है। शुक्ला आईएसएस पर रहने और काम करने वाले पहले भारतीय बने हैं। वह राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। राकेश शर्मा 1984 में एक सोवियत अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष में गए थे। 39 साल के भारतीय वायुसेना अधिकारी शुक्ला एक्स-4 अभियान के चालक थे, जो इसरो, नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और एक्सिओम स्पेस का एक साझा प्रयास था। 25 जून, 2025 को स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान से रवाना हुए शुक्ला और उनके दल में पेगी व्हिटसन (यूएसए), स्लावोज उज्नांस्की-विस्निवस्की (पोलैंड) और टिबोर कपु (हंगरी) शामिल थे। उन्होंने 60 से ज़्यादा प्रयोग किए, जिनमें इसरो द्वारा डिज़ाइन किए गए सात प्रयोग भी शामिल थे।

शुक्ला के प्रयोगों का मुख्य ध्यान सूक्ष्मगुरुत्वाकर्षण अनुसंधान पर था, जो लंबे समय तक अंतरिक्ष अभियान के लिए बहुत ज़रूरी है। इनमें मूंग और मेथी के बीज अंकुरित करने, मायोजेनेसिस (शून्य गुरुत्वाकर्षण में मांसपेशी कोशिकाओं का विकास), साइनोबैक्टीरिया, सूक्ष्मशैवाल और भारतीय टार्डिग्रेड (ऐसे सूक्ष्मजीव जो अत्यधिक परिस्थितियों में भी जीवित रह सकते हैं) पर अध्ययन शामिल थे। एक ख़ास प्रयोग सूक्ष्मशैवाल को एक टिकाऊ भोजन स्रोत के रूप में विकसित करना था, जो भविष्य के अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक बड़ी अद्भुत खोज है। शुक्ला ने एक तैरते हुए पानी के बुलबुले का मज़ेदार प्रदर्शन भी किया, जहाँ उन्होंने खुद को पानी मोड़ने वाला बताया, जिसने लोगों का दिल जीत लिया। इस अभियान पर इसरो का लगभग छ548 करोड़ (59 मिलियन) का खर्च आया, जिसमें प्रशिक्षण, प्रक्षेपण का खर्च और वैज्ञानिक अनुसंधान शामिल था। शुक्ला को कोई सीधा वेतन नहीं दिया गया, जिससे यह साफ होता है कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य ज्ञान हासिल करना था। डॉकिंग, दल समन्वय और आपातकालीन प्रोटोकॉल में उनका अनुभव इसरो के गगनयान कार्यक्रम (जो 2027 में तय है) के लिए बहुत बहुमूल्य डेटा देगा।

इसरो की 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की घोषणा से काफ़ी उत्साह है। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने एक मॉड्यूलर स्टेशन की योजनाओं के बारे में बताया, जिसकी शुरुआत 2028 तक एक एकल मॉड्यूल के प्रक्षेपण से होगी। शुरुआत में इसे 120-140 किमी की ऊंचाई पर तीन अंतरिक्ष यात्रियों को ठहराने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसे बाद में 15-20 दिनों के लंबे अभियान के लिए 400 किमी पर संचालित किया जा सकता है। यह गगनयान अभियान के बाद होगा, जिसका उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को स्वदेशी अंतरिक्ष यान और प्रक्षेपण यान का उपयोग करके कक्षा में भेजना है। प्रस्तावित स्टेशन पदार्थ विज्ञान, जीव विज्ञान और खगोल भौतिकी में सूक्ष्मगुरुत्वाकर्षण अनुसंधान के लिए एक केंद्र के रूप में काम कर सकता है। यह इसरो के चंद्रमा और अंतग्रहीय अन्वेषण के दीर्घकालिक लक्ष्यों के अनुरूप है, जिसमें 2040 तक चंद्रमा पर एक अंतरिक्ष यात्री अभियान की योजना भी शामिल है। शुक्ला के एक्स-4 अभियान ने कक्षीय संचालन, दल के स्वास्थ्य और प्रयोग प्रबंधन में महत्वपूर्ण जानकारी दी है, जो सीधे स्टेशन के विकास में मदद करेगी। इसरो का अंतरिक्ष स्टेशन अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मंच के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें संभावित रूप से नासा, ईएसए और अन्य एजेंसियां शामिल होंगी, जो आईएसएस मॉडल के समान है। साझेदारी के प्रति खुले विचार लागत को कम कर सकती है और वैज्ञानिक परिणामों को बढ़ा सकती है, जिससे भारत आईएसएस के बाद के युग में एक अग्रणी के रूप में उभर सकता है, क्योंकि वर्तमान स्टेशन 2030 तक सेवामुक्त होने वाला है। हालाँकि, भू-राजनीतिक तनाव और चीन के तियांगोंग स्टेशन और एक्सिओम स्पेस जैसे निजी उपक्रमों से प्रतिस्पर्धा सहयोग को जटिल बना सकते हैं। तकनीकी चुनौतियाँ काफ़ी ज़्यादा हैं। इसरो को उन्नत जीवन-समर्थन प्रणालियों, विकिरण परिरक्षण और डॉकिंग तंत्र विकसित करने होंगे। पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण यान और प्रणोदन प्रणालियों में निवेश का लक्ष्य लागत को कम रखना है, जैसा कि 74 मिलियन के मंगलयान अभियान में दिखाया गया, भारत की किफायती इंजीनियरिंग के लिए प्रतिष्ठा का लाभ उठाना है। शुक्ला के अभियान ने वास्तविक समय टेलीमेट्री, आपातकालीन प्रतिक्रिया और दल समन्वय में इसरो की विशेषज्ञता को बढ़ाया है, जो अंतरिक्ष स्टेशन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। शुक्ला के अभियान ने भारत में व्यापक गर्व पैदा किया है, जिसमें स्मृति ईरानी जैसे नेताओं ने इसे भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक बड़ी छलांग बताया है। जनता में उत्साह स्पष्ट है, हालांकि कुछ लोग इसकी जटिलता के कारण अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल के लिए 2028 की समय-सीमा पर सवाल उठाते हैं। धन की व्यवस्था एक चुनौती बनी हुई है, सरकार अंतरिक्ष आकांक्षाओं और स्वास्थ्य सेवा जैसी ज़मीनी प्राथमिकताओं के बीच संतुलन बना रही है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, इसरो के लागत-प्रभावी दृष्टिकोण की सराहना की जाती है, लेकिन व्यापक गगनयान के बाद के परीक्षणों की आवश्यकता को देखते हुए 2028 की समय सीमा की व्यवहार्यता पर सवाल उठाया जाता है।

शुक्ला का अभियान और इसरो के अंतरिक्ष स्टेशन की योजनाएँ अंतरिक्ष अन्वेषण को लोकतांत्रिक बना सकती हैं, ब्राजील या दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों को प्रेरित कर सकती हैं। इस परियोजना से भारत के विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) शिक्षा और एयरोस्पेस उद्योगों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे नवाचार और रोज़गार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। शुक्ला के जनसंपर्क प्रयासों ने, जिसमें छात्रों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत शामिल है, एक नई पीढ़ी को प्रेरित किया है। शुभांशु शुक्ला के एक्स-4 अभियान ने भारत को मानव अंतरिक्ष उड़ान में एक उभरते हुए सितारे के रूप में स्थापित किया है, जो गगनयान कार्यक्रम और इसरो के अंतरिक्ष स्टेशन आकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण अनुभव प्रदान करता है। भारत का अंतरिक्ष स्टेशन एक साहसी सोच है, जो अन्वेषण के अगले युग में नेतृत्व करने के अपने इरादे का संकेत देता है। तकनीकी, वित्तीय और राजनयिक चुनौतियों के बावजूद, इसरो का ट्रैक रिकॉर्ड और शुक्ला की सफलता सितारों के बीच भारत के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का संकेत देते हैं।

मंथन

'सिर चढ़कर बोल रहा है राहुल गांधी का गुस्सा

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

राहुल गांधी का गुस्सा एक बार फिर सिर चढ़कर बोल रहा है। इस बार उन्होंने अपना गुस्सा असम के मुख्यमंत्री और कांग्रेस में उनके साथी रहे हिमंत सरमा पर उतारा है। विख्यात अभिनेता राजकुमार का प्रसिद्ध डायलॉग ''जिनके घर शीशे के होते हैं, वो दूसरों के घर पर पत्थर नहीं फेंका करते'' कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी पर सटीक बैठता है। हम बात कर रहे है राहुल गाँधी के उस बहुचर्चित बयान की जिसमें उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि हिमंत को जेल जाने से कोई रोक नहीं सकता। राहुल ने असम के चायगांव में पार्टी की बैठक में दावा किया कि असम के मुख्यमंत्री खुद को 'राजा' समझते हैं, लेकिन वह जल्द ही जेल में होंगे। वहीं, राहुल के इस बयान को लेकर हिमंत ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा, जो खुद देशभर में कई मामलों में जमानत पर हैं, वो दूसरों को जेल भेजने की बात कर रहे हैं।

भाजपा नेताओं को जेल भेजने की बात कोई नई नहीं है। लगातार तीसरा लोकसभा चुनाव हारने के बात कांग्रेस के नेता समय समय पर इस प्रकार के बयान देते रहे है। राहुल गाँधी का वह चर्चित बयान याद कीजिये जिसमें उन्होंने कहा था, अगर राफेल की जांच शुरू हुई, पीएम मोदी जेल जाएंगे। बाद में राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में खेद जताकर माना है कि वह राफेल डील पर आरोप राजनीति से प्रेरित होकर लगा रहे थे। उन्होंने बिना किसी आधार के केन्द्र सरकार की सुरक्षा डील पर सवाल उठाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी बिना सिर पैर के आरोप लगाने में पीछे नहीं रहे है। खरगे भी एक बार यह कह चुके है, अगर हमें 20 सीटें और आ जाती तो ये सारे लोग जेल में होते। ये लोग जेल में रहने के लायक हैं।

राहुल गाँधी को गुस्सा क्यों आता है, यह मंथन का विषय हो सकता है। मगर हमारी सियासत कितनी अज़ब ग़ज़ब है। गांधी अपनी पार्टी कांग्रेस के गिरते जनाधार से बेहद चिंतित है और देशभर के दौरे कर पार्टी को मज़बूत करने के प्रयास में जुटे है। वैसे हर नेता का दायित्व है वह अपनी पार्टी की साख बनाये, और इसी काम में राहुल लगातार लगे है। राहुल गांधी दिल्ली सहित हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी की हार से हताश है। राहुल लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर है और ऐसा कोई भी मौका नहीं चुकते जब उनके निशाने पर मोदी होते है। यही नहीं राहुल ने देश की सवैंधानिक संस्थाओं यथा चुनाव आयोग, न्यायालय और प्रेस पर भी समय समय पर हमला बोला है।

ऐसा लगता है जैसे स्वस्थ और रचनात्मक बहस का स्थान घृणात्मक और नफरत से ओतप्रोत वाद विवाद ने ले लिया है। राहुल हमेशा मोहब्बत की बात करते है मगर मोदी ओर आरएसएस के बारे में अपनी नफरत छुपा नहीं पाते। हालाँकि वे कहते है मैं मोदी से नफरत नहीं करता। लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने के बाद राहुल कुछ अधिक ही उत्साहित हो रहे है। उन्हें होना भी चाहिए मगर विदेशी धरती पर जाकर मोदी और संवैधानिक संस्थाओं पर बेसिरपैर के आरोप लगाना देशवासियों के गले नहीं उतरता । राहुल के बयानों पर भाजपा आग बबूला हो रही है वहां इंडि गठबंधन की सहयोगी पार्टियां राहुल के बयानों का समर्थन कर अपनी एकजुटता प्रदर्शित कर रही है। राहुल को अपने आरोपों के समर्थन में अपने देश में ही सशक्त आंदोलन कर जनता का समर्थन जुटाना चाहिए मगर चीन जैसे दुश्मन देश के पक्ष में बोलकर देशवासियों की सहानुभूति खो रहे है।

कांग्रेस पार्टी के लोकसभा में 52 से 99 पर पहुँचने के बाद जो गंभीरता पार्टी में आनी चाहिए थी वह कमोवेश देखने को नहीं मिली है। नेता विपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी के गुस्से में बढ़ोतरी देखी जा रही है। राहुल गांधी को बहुत गुस्सा आता है जब लोग उन्हें तरह तरह की उपमाओं से नवाजते है। राहुल कई बार यात्राएं निकालकर लोगों के बीच गए। हर तबके के लोगों से मिले। उनका प्यार भी उन्हें मिला । राहुल गांधी की एक दशक की सियासी यात्रा पर दृष्टिपात करें तो पाएंगे कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने मोदी पर तरह तरह के आरोप लगाए। गौरतलब है राहुल ने देश की सवैंधानिक संस्थाओं यथा चुनाव आयोग, न्यायालय और प्रेस पर भी समय समय पर हमला बोला है। मोदी और भाजपा की आलोचना खूब कीजिये जनाब, मगर देश को बक्श दीजिये।

नजरिया

वर्तमान परिपेक्ष्य में युद्ध का बदलता स्वरूप

डॉ. अंशुल उपाध्याय

मोबाइल : 8989446288

वर्तमान में विश्व के कई देशो के मध्य युद्ध का वातावरण व्याप्त है। एक तरफ रूस और यूक्रेन के बीच जो युद्ध हुआ वह पिछले दो सालों से चल ही रहा था की दूसरी तरफ ईरान और इजराइल का युद्ध भी सीज़ फायर के बाद भी चालू है। इसी बीच पाकिस्तान के द्वारा भारत के पहलगांव (कश्मीर) पर हमला किया गया जिसके बाद भारत ने भी हवाई हमले के द्वारा पाकिस्तान को जबाव दिया और भारत व पाकिस्तान के बीच की तनातनी और बढ़ गई। अब विश्व में जो परिस्थितियों उत्पन्न हो रही हैं,उनके चलते यह कहना बिल्कुल भी अनुचित नहीं होगा कि परमाणु अस्त्रों से संपन्न राष्ट्र अगर इस तरह युद्ध के मैदान में कूदते हैं तो परिणाम भयंकर हो सकते हैं।

युद्ध एक ऐसा सशस्त्र संघर्ष है जो दो या दो से अधिक समूहों के बीच होता है। युद्ध दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समस्याओं में से एक है। परन्तु युद्ध कभी भी सिर्फ हाथों में हथियार ले लेने से ही शुरू नहीं हो जाता। युद्ध का जन्म किसी व्यक्ति विशेष के एक विचार से होता है। कई दफ़ह ये विचार संपूर्ण राष्ट्र पर हावी हो जाते है। तो कई दफ़ह जमीन की लालच, आत्म सुरक्षा का भय, तो कई दफ़ह अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी भयंकर युद्धों की वजह बनता है।

आधुनिक युद्ध और भारत का बदलता स्वरूप

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संपूर्ण विश्व वायु सेवा की शक्ति से बखूबी परिचित हो गया था । इसके बाद 1948 में भारत को जब स्वतंत्रता की प्राप्ति हई तो उसके तुरंत बाद ही पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया और भारत को उसे जवाब देने के साथ ही युद्ध में उतरना पड़ा। इस तरह से पाकिस्तान के साथ भारत ने चार युद्ध लड़े जिसमे पहला 1948 में, दूसरा 1965 में तीसरा 1971 मे और चौथा जो कि कारगिल युद्ध हआ था 1998 में लड़ा गया इसी के साथ भारत और चीन के बीच भी 1962 में युद्ध लड़ा गया था।

ईरान-इजराइल युद्ध और वर्तमान परिपेक्ष्य

ईरान के अब तक का युद्ध इतिहास खून खराबे से भरा हुआ है। गाजा पट्टी का युद्ध हो या खाड़ी युद्ध, युद्धों ने इन दोनों देशों के मध्य तनाव वृद्धि ही की है। अब 2024 में इजरायल-ईरान के मध्य का ये शीत युद्ध सीधे संघर्ष में ही बदल गया। और 1 अप्रैल को, इजरायल ने दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर बमबारी की, जिसमें कई वरिष्ठ ईरानी अधिकारी मारे गए। इस हमले के जवाब में, ईरान और उसके प्रतिनिधियों ने 13 अप्रैल को इजराइल के अंदर हमले शुरू कर दिए। ईरान और इजराइल के बीच 1979 से कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं और आधुनिक संबंध शत्रुतापूर्ण हैं। शीत युद्ध के अधिकांश समय में ये संबंध सौहार्दपूर्ण थे, लेकिन ईरानी क्रांति के बाद ये और भी खराब हो गए और 1991 में खाड़ी युद्ध की समाप्ति के बाद से ये खुले तौर पर शत्रुतापूर्ण हो गए हैं। इन्हें ईरान -इज़राइल प्रॉक्सी संघर्ष, या ईरान-इज़राइल शीत युद्ध के रूप में भी जाना जाता है। ईरान में जो शिया समुदाय का हुआ विकास इसके बाद इस्लामी खिलाफत का भी विस्तार हुआ। ख़लीफ़ा उमर के शासन में इस्लाम का प्रसार और क्षेत्रीय विस्तार लगातार हुआ। इस्लामी एकता और धर्म के नाम पर लड़ाई होती रहीं। कालांतर में फारसी संस्कृति को फॉलो करने वालों ने इस्लाम को आत्मसात करना शुरू कर दिया। इसका लाभ यह हुआ कि फ़ारसी भाषा, साहित्य और प्रशासन को इस्लामी काल में नया जीवन मिला। इस तरह ईरान में शिया इस्लाम का विकास धीरे-धीरे हुआ, जो बाद में इस्लामी दुनिया में विशिष्ट पहचान बना पाया। आज शिया कम्युनिटी पूरी दुनिया में निवास करती है। वर्तमान ईरान और इसके सुप्रीम लीडर खोमेनेई इसी शिया समुदाय के धार्मिक नेता भी हैं।

ईरान और इज़राइल का छद्म युध्द

ईरान और इज़राइल के बीच चल रहा प्रॉक्सी संघर्ष है। इज़राइली-लेबनानी संघर्ष में, ईरान ने लेबनानी शिया मिलिशिया का समर्थन किया है, विशेष रूप से हिज़्बुल्लाह का । इज़राइली-फिलिस्तीनी संघर्ष में, ईरान ने हमास जैसे फिलिस्तीनी समूहों का समर्थन किया है। 2024 में प्रॉक्सी संघर्ष दोनों देशों के बीच सीधे टकराव में बदल गया है। और जून 2025 में, ईरान-इज़राइल युद्ध शुरू हुआ, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल के शामिल हो जाने से अंतरिम परिणामों की भयंकरता से संपूर्ण विश्व में अराजकता का माहौल व्याप्त हो गया है।

पूर्व में जब अमेरिका समेत ढेर सारे पश्चिमी देश इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन के साथ ईरान के खिलाफ साये की तरह खड़े थे, वही अमेरिका सद्दाम हुसैन को बंकर से निकालकर मारने से पीछे नहीं हटा। आज जी-7 देश ईरान के खिलाफ खड़े हैं, कोई बड़ी बात नहीं कि कल वे किसी और पाले में खड़े हो जाएंगे। क्यूंकि भले ही सत्ता बदल जाए। यहां न कोई किसी का स्थाई दोस्त है, न ही दुश्मन। सबके अपने हित हैं, अपनी-अपनी सुविधा के अनुसार ही सारे देश चालें चल रहते है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमेरिका में हमला, चोरी करने से वीजा को किया जा सकता है निरस्तः अमेरिकी दूतावास

नई दिल्ली/भाषा। भारत में अमेरिका के दूतावास ने कहा है कि उसके देश में हमला, चोरी या सेंधमारी करने से (संबंधित व्यक्ति को) न केवल कानूनी दिक्कतें होंगी, बल्कि (उसका) वीजा भी रद्द किया जा सकता है और वह भविष्य में अमेरिकी वीजा के लिए अयोग्य हो सकता है।

यह कड़ी चेतावनी सोशल मीडिया पर प्रसारित उस वीडियो के मद्देनजर आयी है जिसमें कथित रूप से दिख रहा है कि एक भारतीय महिला को पुलिस अधिकारियों ने इसलिए हिरासत में ले लिया, क्योंकि उसने कथित तौर पर अमेरिका में एक उच्च श्रेणी की दुकान से कई सामान चुराने की कोशिश की थी।

वैसे सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किये जा रहे इस वीडियो की प्रमाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है।

एक संक्षिप्त बयान में, दूतावास ने यह भी कहा कि अमेरिका कानून और व्यवस्था को महत्व देता है और विदेशी आगंतुकों से सभी अमेरिकी कानूनों का पालन करने की अपेक्षा करता है।

यह बयान दूतावास के 'एक्स' हैंडल पर साझा किया गया है।

दूतावास ने कहा, '' अमेरिका में हमला, चोरी या सेंधमारी करने से न केवल आपको कानूनी समस्याएं होंगी – बल्कि आपका वीज़ा रद्द भी हो सकता है और आप भविष्य में अमेरिकी वीजा के लिए अयोग्य भी हो सकते हैं। अमेरिका कानून और व्यवस्था को महत्व देता है और विदेशी आगंतुकों से सभी अमेरिकी कानूनों का पालन करने की अपेक्षा करता है।''

दूतावास ने 19 जून को एक पोस्ट में कहा था कि अमेरिकी वीजा एक विशेषाधिकार है, अधिकार नहीं तथा वीजा जारी होने के बाद इसकी जांच बंद नहीं होती है और अगर कोई कानून तोड़ता है तो अधिकारी इसे रद्द कर सकते हैं।

कंबोडियाः साइबर अपराध पर हालिया कार्रवाई में 1,000 लोग गिरफ्तार

नोम पेन्ह/एपी। प्रधानमंत्री हुन मानेट द्वारा सरकारी निकायों को देश में साइबर अपराधों पर नकेल कसने के आदेश के परिणामस्वरूप इस सप्ताह अब तक 1,000 से ज्यादा संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। हुन मानेट ने 'सुरक्षा-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा बनाये रखने' के लिए संबंधित विभागों को कार्रवाई करने का अधिकार देते हुए यह आदेश जारी किया था।

ब्रिटेन के सैन्य एयर शो में भाग लेंगे जेएफ-17 विमान

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के जेएफ-17 थंडर ब्लॉक-3 लड़ाकू विमान ब्रिटेन के एक सैन्य एयरशो में भाग लेंगे। वायु सेना ने बृहस्पतिवार को यहां एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान में कहा गया है, दुनिया के सबसे बड़े सैन्य एयरशो में से एक आरआईएटी (रॉयल इंटरनेशनल एयर टैटू) में पाकिस्तान वायु सेना की भागीदारी इसकी पेशेवर उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है। बयान के अनुसार विमान पहले ही रॉयल एयर फोर्स बेस फेयरफोर्ड पर उतर चुके हैं। बयान में कहा गया है, जेएफ-17 ब्लॉक-3 ईएएसए रडार और लंबी दूरी की बीवीआर से लैस बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है जो विभिन्न प्रकार के लड़ाकू अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है।

शिव भक्त

सावन के अवसर पर भगवान शिव को अर्पित करने के लिए हर की पौड़ी से पवित्र गंगा जल लेकर हरिद्वार में गुरुवार को भारी बारिश के बाद जलमग्न सड़क से गुजरते शिव भक्त।

'सैयारा' में बहुत मासूमियत और पवित्रता है : श्रेया घोषाल

मुंबई/एजेन्सी

अपने गायन से कई लोगों का दिल जीतने वाली राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गायिका श्रेया घोषाल ने फिल्म 'सैयारा' के टाइटल ट्रैक के रीप्राइज्ड वर्जन में अपनी आवाज दी है। उन्होंने इस फिल्म को अपने करियर की सबसे शानदार फिल्मों में से एक बताया। उन्होंने कहा, इस फिल्म और इसके गानों में इतनी सादगी और सच्चाई है कि इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए एक खास अनुभव था। श्रेया ने बताया कि, उन्हें एक ऐसी फिल्म में गाना गाने का मौका मिला, जिसने उनका दिल जीत लिया। उन्होंने कहा, मुझे 'सैयारा' के टाइटल ट्रैक के नए वर्जन पर यश राज फिल्म्स और मोहित सूरी के साथ काम करने पर गर्व है। उन्होंने आगे कहा, यह गाना इतनी खूबसूरती से लिखा गया है कि आप इसे पूरे दिल से गाने पर मजबूर हो जाएंगे। इसमें इतनी जबरदस्त भावनाएं हैं कि मुझे उम्मीद है कि लोग इससे गहराई से जुड़ेंगे और एक बार फिर प्यार में खो जाएंगे।

गायिका ने कहा है कि उन्हें 'सैयारा' गाना सदाबहार लगता है। उन्होंने बताया, सैयारा गाने में कुछ ऐसा है जो आज के हिंदी सिनेमा में बहुत कम देखने को मिलता है। मैं सैयारा की पूरी टीम को शुभकामनाएं देती हूं। इस फिल्म का सभी को बेसब्री से इंतजार है और मैं कामना करती हूं कि यह बहुत सफल हो। 'सैयारा' के सभी गाने पहले ही रिलीज हो चुके हैं। इनमें फहीम-अर्सलान का 'सैयारा' टाइटल ट्रैक, जुबिन नौटियाल का 'बर्बाद', विशाल मिश्रा का 'तुम हो तो', सचेत-परंपरा का 'हमसफर' और अरिजीत सिंह व मिथुन का 'धुन' शामिल हैं।

यशराज के सीईओ अक्षय विधानी द्वारा निर्मित, 'सैयारा' 18 जुलाई को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म से अहान पांडे और अनीत पड्डा बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। श्रेया घोषाल अपने शानदार गायन से जानी जाती हैं। उन्हें अक्सर 'डायनैमिक्स की रानी' कहा जाता है। श्रेया ने कई भारतीय और विदेशी भाषाओं की फिल्मों और एल्बमों के लिए गाने रिकॉर्ड किए हैं। उन्हें कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, चार केरल राज्य फिल्म पुरस्कार, दो तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार, एक महाराष्ट्र राज्य पुरस्कार, एक तेलंगाना फिल्म पुरस्कार और बीएफजेए पुरस्कार शामिल हैं।

ऊर्जा समानता के लिए मजबूत क्षेत्रीय सहयोग जरूरी

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या ने बृहस्पतिवार को ऊर्जा समानता की तत्काल जरूरत बताते हुए मजबूत क्षेत्रीय सहयोग, प्रौद्योगिकी तक सभी की पहुंच और छोटे द्वीपीय विकासशील देशों (एसआईडीएस) एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए समर्थन का आह्वान किया।

कोलंबो में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय समिति की सातवीं बैठक में अपने संबोधन में हरिनी ने सौर प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के लिए कोलंबो में क्षेत्रीय केंद्र के रूप में स्टार (एसटीएआर) केंद्र की स्थापना की भी घोषणा की।

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) एक वैश्विक पहल है जिसकी शुरुआत 2015 में भारत और फ्रांस ने पेरिस में सीओपी21 में की गई। इसके 124 सदस्य और हस्ताक्षरकर्ता देश हैं। आईएसए के बयान के अनुसार, श्रीलंका की प्रधानमंत्री ने इस मौके पर कहा, ''ऊर्जा समानता की तत्काल जरूरत है। इसके लिए मजबूत क्षेत्रीय सहयोग, प्रौद्योगिकी तक सभी की पहुंच और छोटे द्वीपीय विकासशील देशों (एसआईडीएस) एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए समर्थन की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''हम वैश्विक सौर सुविधा के विस्तार के लिए आईएसए के प्रयासों का स्वागत करते हैं। इस क्षेत्र के छोटे द्वीपीय विकासशील राज्यों एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए मजबूत दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। इन देशों को उच्च लागत, सीमित भूमि एवं ग्रिड संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ता है, लेकिन साथ ही यहां विकेंद्रीकृत सौर एवं भंडारण-आधारित समाधानों में अपार संभावनाएं भी हैं।'' बयान के अनुसार, इस दौरान श्रीलंका और आईएसए के बीच 'देश साझेदारी रूपरेखा' (सीपीएफ) पर हस्ताक्षर हुए जो देश में सौर ऊर्जा के विस्तार, वित्तपोषण एवं संस्थागत क्षमता निर्माण की रणनीति तय करता है।

श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री कुमार जयकोडी ने 2030 तक 70 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा और 2050 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन बनने के राष्ट्रीय लक्ष्य को दोहराया। उन्होंने आईएसए-एसआईडीएस मंच को छोटे देशों के लिए परिवर्तनकारी पहल करार दिया। इस मौके पर भारत के उद्यायुक्त संतोष झा ने भारत-श्रीलंका ऊर्जा सहयोग की सराहना की और आईएसए को सौर समाधानों के लिए एक वैश्विक मंच बताया। झा ने कहा, '' आईएसए के माध्यम से हमारे पास न केवल मकानों को, बल्कि भविष्य को भी रोशन करने का अवसर है..।'' आईएसए के महानिदेशक आशीष खन्ना ने क्षेत्र के लिए चार रणनीतिक स्तंभों वित्त, संस्थागत सशक्तिकरण, क्षेत्रीय समन्वय और नवाचार को रेखांकित किया। खन्ना ने कहा, '' एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र अपनी विशाल विविधता व साझा आकांक्षाओं के साथ, वैश्विक सौर ऊर्जा परिदृश्य को आकार देने में एक केंद्रीय भूमिका निभाता है। आगे बढ़ने के साथ ही यह क्षेत्रीय समिति बैठक एक व्यावहारिक, कार्य-उन्मुख एजेंडा निर्धारित करने के लिए एक सामयिक व रणनीतिक मंच प्रदान करती है।''

'रुद्र शक्ति' शिव-पार्वती की कहानी, परंपरा-आधुनिकता दोनों का मेल : अक्षरा सिंह

पटना/एजेन्सी

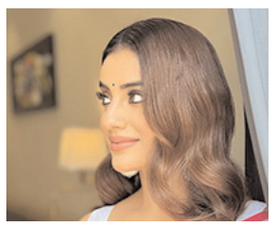

भोजपुरी सिनेमा की जब बात होती है तो अक्षरा सिंह का नाम सबसे पहले जुबां पर आता है। अपनी दमदार अदाकारी और खूबसूरत आवाज से उन्होंने करोड़ों दिलों में खास जगह बनाई है। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म 'रुद्र शक्ति' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वह एक्टर विक्रांत सिंह के साथ नजर आएंगी। फिलहाल, अक्षरा फिल्म के प्रमोशन में जुटी हुई हैं और इसी कड़ी में गुरुवार को पटना पहुंचीं। उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत की और फिल्म को लेकर कई अहम बातें बताईं। अक्षरा ने बताया कि निर्देशक निशांत एस. शेखर और निर्माता सीबी सिंह ने फिल्म को एक अलग सोच के साथ बनाया है। फिल्म की कहानी शिव-पार्वती की पौराणिक और आध्यात्मिकता पर आधारित है। हम सब ने मिलकर बहुत ही अलग किस्म के कॉन्सेप्ट पर काम किया है। यह कहानी परंपरा और आधुनिकता दोनों का मेल है। उम्मीद करती हूं कि लोगों को यह पसंद आएगी।

एक्ट्रेस ने बताया कि फिल्म की शूटिंग काशी में बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से शुरू हुई और वहीं इसका समापन हुआ। इस अनुभव को उन्होंने 'अद्भुत सफर' बताया। अक्षरा भोजपुरी सिनेमा पर लगने वाले आरोपों पर भी खुलकर बोलीं। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्में अब सिर्फ अश्लीलता नहीं, आध्यात्मिकता और सिनेमा का मेल भी हैं। अक्षरा ने कहा, जब भी मैं पटना आती हूं, तो यहां की जनता मुझसे सवाल करती है कि भोजपुरी फिल्म कैसी होती है। लोग कहते हैं कि भोजपुरी फिल्में अश्लील होती हैं, लेकिन जब आप कुछ नया और अच्छा देंगे तभी धारणा बदलेगी। मैं बस यही कहना चाहती हूं कि अब एक ऐसी फिल्म आई है, जिसे आप पूरे परिवार के साथ बड़े चाव से देख सकते हैं। 'रुद्र शक्ति' आपको आध्यात्मिकता से जोड़ेगी और सिनेमा का असली स्वाद भी देगी। यह एक संपूर्ण सिनेमा है। आप जरूर देखें और अपना अपार प्यार दें।

गुरु की तलाश में तीन दिन बर्फीली पहाड़ियों में बैठे रहे शेखर कपूर

मुंबई/एजेन्सी

फिल्ममेकर शेखर कपूर ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर करते हुए पहाड़ों के सफर से जुड़ा दिलचस्प किस्सा सुनाया, जो उनके जीवन का खास अनुभव रहा। उन्होंने अपनी काव्यात्मक शैली में लिखा कि कैसे वे अपने गुरु से मिले और उन्हें आत्म-ज्ञान का गहरा अनुभव हुआ। कपूर ने इंस्टाग्राम पर बर्फीले पहाड़ों के बीच बैठे अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें शेखर कपूर बर्फीले पहाड़ों के बीच बैठे नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट लिखा है, जिसमें उन्होंने बताया कि वह तीन दिन तक वहीं बैठे रहे थे। उन्होंने नोट में लिखा, ''मैं वहां तीन दिन तक बैठा रहा। मैं इतने लंबे समय से इस पहाड़ पर चढ़ रहा था और थक चुका था... लेकिन मेरे गुरु मेरी तरफ देख कर भी ध्यान नहीं दे रहे थे। मैं बस उनकी सांसें सुन पा रहा था... और शायद प्रार्थना की आवाजें भी... हो सकता है कि वह आवाजें पहाड़ों से टकराती हवाओं की हों. आखिरकार, मैंने हिम्मत जुटाकर बात करने की कोशिश की।''

शेखर कपूर ने आगे कहा, ''मैंने अपने गुरु की तलाश कई सालों तक की, सच कहें तो पूरी जिंदगी। एक पल के लिए लगता कि मैंने उनकी आवाज सुनी है, और दूसरे पल लगता शायद यह मेरी कल्पना थी, क्योंकि आस-पास बस हवा की आवाजें ही आ रही थीं। मेरे आंसू चेहरे पर गिर रहे थे। मैंने प्यार किया है, प्यार पाया है, धोखा दिया है और धोखा भी खाया है। मैंने बड़ी सफलताएं देखी हैं और गहरी निराशा भी महसूस की है। मैंने कभी-कभी खुद का अस्तित्व महसूस किया है, कभी-कभी ऐसा लगा है कि मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है। फिर भी, मुझे पता है कि जो कुछ भी मैंने किया या नहीं किया, वह सब बस एक सांस भर था, एक कदम था उस तलाश की ओर, जिसमें मैं अपने गुरु को ढूंढ़ रहा था।'' उन्होंने लिखा, वहां सन्नाटा था, फिर एक आवाज आई। मुझे समझ नहीं आया कि वह आवाज गुरु की थी या फिर तेज हवाओं की। लेकिन मैंने हिम्मत करके सवाल पूछा, 'गुरुजी, मेरे जीवन का अस्तित्व क्या है? मैं यहां क्यों हूं?' लेकिन गुरु ने मुड़कर जवाब नहीं दिया। कुछ देर बाद एक आवाज आई, 'जब तुम समय का असली महत्व समझ लोगे, तब तुम अपने जीवन का मतलब भी समझ जाओगे। तुमने मुझे अपनी कहानी सुनाई, जो तुम अपनी जिंदगी समझते हो। लेकिन वही कहानी तुम्हारे समय बनाने में मदद करती।'

शेखर कपूर ने नोट के आखिरी हिस्से में लिखा, ''मैंने गुरुजी से कहा, 'मैं समय कैसे बना सकता हूं?' कृपया समझाइए। इस पर गुरुजी ने कहा, 'वर्तमान, भूत या भविष्य कुछ भी नहीं है, सिर्फ अस्तित्व है, शुद्ध, समय रहित और सरल। जब तुम इसे समझ लोगे, तभी तुम अपने अस्तित्व को समझ पाओगे।' इस बात की सादगी और गहराई से मैं अवाक रह गया। फिर मैंने कहा, 'गुरुजी, क्या आप मुड़ कर अपना चेहरा दिखा सकते हैं?' गुरुजी ने कहा, 'क्या? तुम अपनी कहानी में और जोड़ना चाहते हो? फिर से समय बढ़ाना चाहते हो? क्या तुम सच में चाहते हो?' फिर गुरुजी धीरे-धीरे मुड़े और सामने जो थे, मैंने उनमें खुद की आत्मा को महसूस किया।''

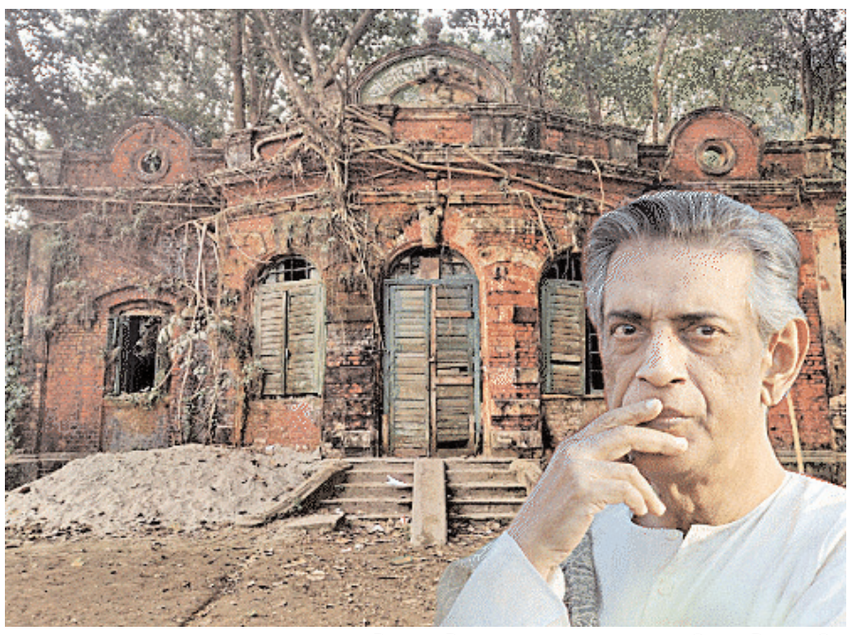

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा गुरुवार को गुवाहाटी में माँ मनसा मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

भारत सरकार बांग्लादेश के साथ सत्यजीत रे की पैतृक संपत्ति के पुनर्निर्माण में करेगी सहयोग

नई दिल्ली/एजेन्सी

भारत सरकार ने बांग्लादेश सरकार के साथ मिलकर प्रख्यात फिल्म निर्माता और साहित्यकार सत्यजीत रे की पैतृक संपत्ति के मरम्मत और पुनर्निर्माण में सहयोग करने की इच्छा जताई है। यह संपत्ति बांग्लादेश के मायमंसिंह में स्थित है और सत्यजीत रे के दादा, प्रसिद्ध साहित्यकार उपेंद्र किशोर रे चौधरी की थी।

भारत सरकार ने इस संपत्ति के विध्वंस पर गहरी चिंता जताई है और इसे बांग्ला सांस्कृतिक पुनर्जनन के प्रतीक के रूप में संरक्षित करने की अपील की है। भारत सरकार ने एक बयान में कहा कि यह संपत्ति, जो वर्तमान में बांग्लादेश सरकार के स्वामित्व में है, जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। इस ऐतिहासिक इमारत को साहित्य संग्रहालय और भारत-बांग्लादेश की साझा सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक के रूप में पुनर्निर्मित करने की सलाह दी गई है। भारत सरकार ने इसके लिए बांग्लादेश सरकार के साथ सहयोग करने की पेशकश की है।

बांग्लादेशी अखबार 'द डेली स्टार' की वेबसाइट के मुताबिक, इस इमारत का उपयोग पहले मैमनसिंह शिशु एकेडमी के रूप में किया जाता था। बता दें कि रे परिवार का यह लगभग एक सदी पुराना घर मैमनसिंह के हरिकिशोर रे चौधरी रोड पर स्थित है। सत्यजीत रे, जिनका जन्म 2 मई 1921 को कोलकाता में हुआ था, भारतीय सिनेमा के दिग्गज थे। उनकी प्रमुख कृतियों में 'अपू ट्रिलॉजी', 'जलसाघर', 'चारुलता', 'गूपी गायने बाघा बायने', 'पथेर पांचाली' और 'शतरंज के खिलाड़ी' शामिल हैं। वे न केवल फिल्म निर्माता थे, बल्कि पटकथा लेखक, वृत्तचित्र निर्माता, लेखक, निबंधकार, गीतकार, पत्रिका संपादक, चित्रकार और संगीतकार भी थे।

उन्हें अपने करियर में 32 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में पुरस्कार और 1992 में मानद ऑस्कर पुरस्कार मिला। इसके अलावा, भारत सरकार ने उन्हें 1992 में भारत रत्न से सम्मानित किया था। भारत सरकार ने इस संपत्ति के विध्वंस को रोकने और इसे एक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया है। यह संपत्ति न केवल सत्यजीत रे की विरासत को संरक्षित करने का प्रतीक है, बल्कि बांग्ला साहित्य और कला के इतिहास को भी दर्शाती है।

ऐश्वर्या खरे ने बताई 'छोरियां चली गांव' का हिस्सा बनने की वजह

मुंबई/एजेन्सी

'भाग्य लक्ष्मी' शो में लक्ष्मी के किरदार से घर-घर में मशहूर हुई टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या खरे अब एक नए रूरल रिएलिटी शो 'छोरियां चली गांव' में हिस्सा ले रही हैं। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने खुलासा किया कि वह आखिर क्यों शो में जा रही हैं और उन्हें इस शो में क्या खास लगा। आईएएनएस से बात करते हुए ऐश्वर्या ने कहा कि लंबे समय तक लक्ष्मी का किरदार निभाने से लोग उन्हें उसी भूमिका के रूप में पहचानने लगे थे। लेकिन इस शो से वह अपनी असली पहचान को दर्शकों के सामने नहीं रख पाई, इसलिए जब मुझे नए शो का ऑफर मिला, तो मैंने इसके लिए हां कर दी। ऐश्वर्या ने कहा, मैंने इस शो के लिए हां क्यों कहा, उसकी पहली वजह ये थी कि मैंने बहुत लंबे समय तक 'लक्ष्मी' का किरदार निभाया है। मैं उस किरदार में पूरी तरह डूब गई थी। लोग मुझे आज भी 'लक्ष्मी' के रूप में जानते हैं। इसलिए ये नया शो मेरे लिए एक मौका बना जिससे लोग मुझे 'ऐश्वर्या' के रूप में भी जान सकें। ऐश्वर्या ने कहा, दूसरी वजह ये थी कि 'भाग्य लक्ष्मी' के बाद मैं कुछ नया और अलग करना चाहती थी। 'छोरियां चली गांव' मुझे कुछ नया आजमाने का एक बेहतरीन मौका लगा। मुझे इसका कॉन्सेप्ट काफी अच्छा और आज के समय से जुड़ा हुआ लगा। यह शो जी टीवी जैसे बड़े चैनल पर आने की वजह है मेरे लिए और खास हो गया। यह बड़ा मौका था।

जब ऐश्वर्या खरे से पूछा गया कि क्या वह कभी गांव गई हैं, इस पर उन्होंने कहा, हां, मैं बस एक बार गई हूं, वो भी बचपन में, शायद जब मैं चौथी या पांचवीं क्लास में थी। मुझे ज्यादा कुछ याद नहीं, लेकिन कुछ बातें आज भी याद हैं। वहां बिजली नहीं थी, पानी बहुत ठंडा था, और मेरी दादी चूल्हे पर खाना बनाती थीं। मुझे एक और चीज अच्छी तरह याद है, जब मैंने घर का गेट खोला तो एक बहुत बड़ा सरसों का खेत कोहरे से ढका हुआ था, ऐसा लग रहा था जैसे बादल जमीन पर उतर आए हों। वो नजारा बहुत सुंदर था। ये छोटी-छोटी यादें हैं, लेकिन मुझे गांव में रहने का कोई अनुभव नहीं है।

शो के लिए अपनी तैयारी के बारे में बात करते हुए ऐश्वर्या ने बताया कि उन्होंने दो चीजों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया है- कपड़े और अपनी सोच। उन्होंने कहा, मैं हमेशा मानती हूं कि बिना कोशिश किए हार नहीं माननी चाहिए। यही सोच मुझे आगे बढ़ने में हमेशा मदद करती है। इस शो में मैं इसी सोच के साथ जा रही हूं कि हर चीज को एक बार जरूर आजमाऊंगी। मैं कभी पहले से यह नहीं कहती कि 'मैं ये नहीं कर सकती', जब तक कि मैं उसे करके न देख लूं। ऐश्वर्या ने कहा कि जब हम मुश्किल चीज़ों को पार करते हैं, तो एक अलग तरह की खुशी और गर्व महसूस होता है। उन्होंने कहा, मैं इस शो में इसलिए हिस्सा ले रही हूं ताकि मैं खुद को दिमाग, दिल और शरीर से मजबूत बना सकूं। नया रियालिटी शो 'छोरियां चली गांव' जी टीवी पर जल्द ही आने वाला है। इसमें 11 शहरी लड़कियां गांव की जिंदगी जीकर अलग तरह का अनुभव करेंगी। इस शो को 'रोडीज' फेम रणविजय सिंघा होस्ट करेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शुक्रवार | 18-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीवन जीने के लिए गीता एक महान मंत्र है। व्यक्ति को अपने बाहर नहीं अपितु अपने अंतरमन में जीना चाहिए और बदलाव भी अंदर ही करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्संग ही प्रभु प्राप्ति का सबसे आसान तरीका व सर्वोत्तम मार्ग है इसलिए सत्संग जरूर करना चाहिए, सत्संग से तत्काल आनंद, शाश्वत सुख व शांति की प्राप्ति होती है।

भक्त से भगवान बनने की यात्रा है भक्तामर : संतश्री वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में मुनिश्री रुपेश मुनि जी ने मधुर भजन के साथ सभा का शुभारंभ किया। तत्पश्चात मुनि डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि हमें यह चिंतन करना है कि हमें समस्या का हिस्सा बनना हैं या समाधान का ? यदि हम किसी समस्या का समाधान करने में समर्थ नहीं, तो कम से कम समस्या का हिस्सा तो बिल्कुल नहीं बनें। हमें शकुनी या मंथरा की भांति समस्या पैदा करने वाले नहीं, बल्कि रामकृष्ण, महावीर और बुद्ध की भांति समाधान देने वाला बनना है। इस ब्रह्मांड में हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। हम पांव से चलते हैं । हमारा एक पांव शुक्र का प्रतिनिधित्व करता है तो दूसरा पांव शनि का प्रतिनिधित्व करता है । शुक्र धन का कारक है और शनि सफलता का। चलना मात्र एक क्रिया नहीं बल्कि उसके पीछे कुछ ना कुछ प्रयोजन होना आवश्यक है। चलना भी तीन प्रकार से हो सकता है प्रथम केवल पैरों से चलना, निष्प्रयोजन रूप से चलना, भटकना कहलाता है । दूसरा पैरों के साथ बुद्धि से चलना, यह आवश्यक नहीं कि जिसमें मजा आए, उससे फायदा ही हो । कभी-कभी थोड़ी सी सजा, थोड़ी सी कठिनाई जीवन भर के लिए आनंद का कारण बन सकती है। हमारे जीवन का प्रवास भी उद्देश्यपूर्ण होना चाहिए । तीसरे प्रकार का चलना आध्यात्मिक यात्रा कहलाता है । जिसमें पांव, बुद्धि, विवेक और श्रद्धा के साथ आत्मा का भी विकास होता है।

हमारी इस भक्तामर की आध्यात्मिक यात्रा का प्रयोजन जीव से शिव, आत्मा से परमात्मा, भक्त से भगवान, पुरुष से पुरुषोत्तम बनने की यात्रा करना है। 84 लाख भवों की इस दुर्गम यात्रा में केवल 2000 बार ही हमें मनुष्य भव पाने का स्वर्णिम अवसर मिलता है, जिसमें हम आत्म साधना करके मोक्ष की प्राप्ति कर सकते हैं । अगर ऐसा स्वर्णिम अवसर भी हम चूक जाते हैं तो पुनः नरक-निगोद के भव-भ्रमण में फंस जाते हैं । गुरुवार को प्रवचन में पंजाब सहित बेंगलूरु के आसपास के क्षेत्रों से अनेक श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित थे ।

नवकार मंत्र का निरंतर जाप करने से मोक्ष की प्राप्ति संभव : आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी व साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी के सान्निध्य में नवकार कलश की सम्पूर्ण विधि विधान से स्थापना की गई। कलश स्थापना का लाभ राहुलकुमार मुकेश कुमार बंबोरी परिवार ने लिया। नवकार कलश के समक्ष सवा करोड़ नवकार का जाप होगा, जो की करीबन 45 दिन तक चलेगा। आचार्यश्री की निश्रा मे 10 अगस्त को होने वाले प्रभु पार्श्वनाथ पद्मावती महापूजन के चढ़ावों की जाजम बिछाने व महापूजन के मुख्य आयोजक का लाभ राहुलकुमार मुकेशकुमार बंबोरी परिवार, महापूजन मे अश्वसेन महाराजा व वामामाता बनने का लाभ कंचनबाई प्रेमचंद नरेशजी बंबोरी परिवार, वाराणासी नगरी के उद्घाटन का लाभ पारसमल शुभमकुमार बंबोरी परिवार ने लिया है

प्रवचन में आचार्यश्री ने कहा कि नवकार मंत्र जैन धर्म का एक महत्वपूर्ण मंत्र है। इसके उच्चारण करने से अनेक लाभ प्राप्त होते हैं जैसे मन की शांति अर्थात नवकार मंत्र का नियमित जाप करने से मन शांत और स्थिर होता है। इससे चिंता, तनाव और दुःख दूर होते हैं। इस मंत्र के जाप से पापों का नाश होता है और पुण्य की वृद्धि होती है। नवकार मंत्र का निरंतर जाप करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस मंत्र के जाप से आत्मज्ञान की प्राप्ति होती है। नवकार मंत्र का जाप करने से मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। नवकार मंत्र का उच्चारण बहुत सरल है। इसे किसी भी समय और किसी भी स्थान पर जपा जा सकता है। यह मंत्र सभी के लिए समान रूप से लाभदायक है। नवकार मंत्र का जाप करने से हमें आत्मिक शांति, मोक्ष की प्राप्ति और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इसलिए हमें प्रतिदिन नवकार मंत्र का जाप अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित संगीतकार नरेंद्र वाणीगोता ने भजनों की प्रस्तुति दी। जयंतीलाल श्री श्रीमाल ने धन्यवाद दिया।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के एचकेएस ट्रस्ट द्वारा विजयनगर स्थित कासिया भवन में मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों एवं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले साधकों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत व ट्रस्ट के अध्यक्ष हेमंतकुमार ने सम्मानित किया।

स्वधर्मी की सेवा करना पुण्य के अवसर के समान है : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि यह जीवन एक अवसर है और बुद्धिमान वह होता है जो अवसर पर लाभ उठा लेता है। पूर्व भव की पुनवानी से हमे यहां समृद्धि की प्राप्ति हुई है। धन और प्रेम बांटने से बढ़ते हैं। स्वधर्मी की सेवा का अवसर मिले तो हमें अहो भाव से उनका सम्मान करना चाहिए। मनुहार हमारी परंपरा है। हमारे पूर्वज बाजोट लगाकर स्वयं उपस्थित रह कर अनजान व्यक्ति को भी आत्मीयता से भोजन कराते थे। पुनवानी होती है तो अतिथि घर में पधारते हैं। होटल संस्कृति और किराए के मनुहार वालों ने अतिथि चरण रज को ही किवदंती बना दिया है। इससे पूर्व अपने प्रवचन में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि सामायिक और प्रतिक्रमण निजी साधना होती है। धर्म में भीड़ का कोई महत्व नहीं होता है। श्रोता मुमुक्षु भाव से प्रभु वाणी सुने और फिर वाणी को दर्पण बना कर खुद का खुद आंकलन करे। प्रभु की वाणी पर अनुराग बढ़ावे। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन का ट्रेड शो 22 जुलाई से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन द्वारा 22 से 24 जुलाई तक राष्ट्रीय स्तर के मेगा ट्रेड फेयर का आयोजन पैलेस ग्राउंड पर होने जा रहा है। इस फेयर में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए टेसुटी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक रमेश कोठारी को आमंत्रण पत्रिका भेंट की। एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, सचिव रविन्द्र बंबोली, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, सहकोषाध्यक्ष विनोद चौहान, कार्यकारिणी समिति सदस्य महेन्द्र जैन, महिपाल जैन, माधुराम खदाव आदि ने कोठारी से मुलाकात की।

अंकुश का काम करते हुए सबको नियंत्रण में रखते हैं सद्गुरु : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में गुरुवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सद्गुरु के बिना मनुष्य भटक जाता है और राजा उद्दंडी बन जाता है। सद्गुरु अंकुश का काम करते हुए सबको नियंत्रण में रखते हैं। आचार्यश्री ने कहा कि राजा हो या रंक, सद्गुरु के बिना सब अधूरे हैं। जीवन में ज्ञान का प्रकाश भी गुरु के माध्यम से ही आता है। संसार को नीति-रीति की शिक्षा भी गुरु देते हैं। भारतीय इतिहास में तो बड़े-बड़े राजा सद्गुरुओं के समक्ष नतमस्तक रहे हैं। अरब में सूफी संत खलिफाओं को मार्गदर्शन देते थे। छत्रपति शिवाजी अपने गुरु स्वामी रामदास की आशीष लेकर ही आगे बढ़ते थे। सम्राट विक्रम को आचार्य सिद्धसेन के रूप में महान गुरु की प्राप्ति हुई थी। चंद्रगुप्त मौर्य का निर्माण चाणक्य ने किया था और वे आचार्य भद्रबाहु को अपना सर्वस्व मानते थे। गुजरात के चौलुक्य सम्राट कुमारपाल का तो शुरु से अंत तक का जीवन सफर आचार्य हेमचंद्र के दिशानिर्देशों में संपन्न हुआ था। इनकी तरह अनेक राजाओं की जिंदगी सद्गुरुओं की कृपादृष्टि से सफल बनी हैं। दक्षिण के अनेक राज परिवारों पर गुरुओं का गहरा प्रभाव था। इससे यह फलित होता है कि भारतीय इतिहास में राजनायकों से भी धर्मनायक गुरु प्रभावशाली रहे हैं और उन्होंने राज्य व्यवस्थाओं में न्याय-नीति का दिशानिर्देश देकर मानवता की बहुत भलाई की है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने आगे कहा कि मौर्य सम्राट अशोक के पौत्र मालवा के अधिपति राजा संप्रति पर जैनाचार्य सुहस्तिसूरि का वरदहस्त था। रंक से राज सिंहासन तक पहुंचे सम्राट संप्रति ने विदेशों में जैनधर्म के प्रसार-प्रचार का ऐतिहासिक कार्य किया था। उनके युग में ईरान, इराक, सीरिया, तुर्की, कुवैत, तजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान, अफगानिस्तान, इंडोनेशिया, मलेशिया, जकार्ता, सुमात्रा, नेपाल, तिब्बत, भूटान, श्रीलंका और मध्य एशिया व चीन के अनेक क्षेत्रों तक महावीरस्वमी के विश्वकल्याणकारी सिद्धांतों का व्यापक प्रचार हुआ था। उस युग में विदेशों में हजारों जैन मंदिरों के निर्माण हुए थे। आज भी इन देशों में जहां कहीं उत्खनन होता है, संप्रतिकालीन जैन प्रतिमाएं प्राप्त होती हैं। यह बाईस सौ वर्ष पुराना गौरवशाली इतिहास है। सम्राट संप्रति द्वारा अहिंसा, शाकाहार, व्यसन मुक्ति, सदाचार आदि के लिए किए गए पुरुषार्थ में सद्गुरु सुहस्तिसूरि का स्पष्ट मार्गदर्शन था। इस अर्थ में सद्गुरु सिर्फ जीवन निर्माता ही नहीं, धर्म प्रचारक, संस्कृति रक्षक और राष्ट्र हितचिंतक भी होते हैं।जैन संघ के ट्रस्टी दलीचंद कवाड़ ने बताया कि गुरुवार को हगरीबोम्मन हल्ली, गंगावती, हुब्बली, बल्लारी, होसपेट आदि अनेक क्षेत्रों के भक्तगण धर्मसभा में उपस्थित थे। कषाय जय तप की साधना सुंदर रूप से आगे बढ़ रही है। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि कार्यकर्ताओं की बैठक में सैकड़ों युवक-युवतियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया जिन्हें गणि पद्मविमलसागरजी ने संबोधित किया।

प्रभु के उपकार और मृत्यु को कभी नहीं भूलना चाहिए : मुनिश्री आर्यशेखरविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री आर्यशेखरविजयजी ने अपने प्रवचन में कहा कि बारिश में जब कोई भी नीचे नजर करता है तो उसे कीचड़ ही कीचड़ दिखाई देता है और जो ऊपर देखता है उसे आसमान में इंद्रधनुष दिखता है। यह सब व्यक्ति की दृष्टि पर निर्भर करता है। संतश्री ने कहा कि पर धन पत्थर समान होता है। दूसरे की धन संपति हमारे लिए धूल समान होती है। हमें कभी भी दूसरों की सम्पत्ति पर नजर नहीं रखनी चाहिए। हमें अपनी मोक्षगति सुधारने के लिए चिंतन करना चाहिए। इस संसार में कभी भी परमात्मा के उपकार व आने वाली मौत को कभी नहीं भूलना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि जीवन को सफल बनाने के लिए दिमाग को ठंडा, जेब को गर्म, जीभ को नरम, आंख में शर्म और हृदय में रहम रखना चाहिए। हमें जीवन में दोषों का भास होना चाहिए और दोषों का ह्रास और नाश करना चाहिए।

सहयोग व सम्मान : — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट द्वारा पिछले 25 वर्षों से दानदाताओं के सहयोग से वर्तमान में 1 मोक्ष रथ व 4 मोक्ष वाहिनी निःशुल्क अंतिम यात्रा हेतु बेंगलुरु शहर की विभिन्न विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहा है। उसी क्रम में बेंगलूरु के सिपानी फाइबर्स के राजकुमार अनिलकुमार सिपानी परिवार की ओर से एक वर्ष के लिए मोक्षवाहिनी रख रखाव करने का लाभ लिया जिसके लिए राजकुमार सिपानी ने सहयोग राशि का चैक ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, मनोज बाफना, रूपचंद कुमट, प्रकाश भोजाणी को सौंपा। सदस्यों ने सिपानी का सम्मान किया।

आत्मा की पूर्णता में ही आनन्द का अनुभव निहित : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि पर पदार्थों में स्वत्व की कल्पना से उन्मत्त बनते राजा भी सदैव अपनी न्यूनता को ही देखते हैं। जबकि स्व अर्थात् आत्मा को ही स्व मानने के पूर्ण सुख का अनुभव करने वाली आत्मा को इन्द्र से भी कुछ भी न्यूनता का आभास नहीं होता। कृष्ण पक्ष की समाप्ति पर शुक्ल पक्ष का उदय होता है, तब चन्द्रमा की कलाऐं प्रकाशित होती है। उसी प्रकार आत्मा का कृष्ण पक्ष अर्थात् अज्ञान, माया, आदि का नाश होने पर पूर्ण आनंद रूप कलाएं प्रकट होती हैं। जिस धन धान्य को पाकर कृपण लोग पूर्णता का अनुभव करते हैं, उन्हीं बाह्य पदार्थों की उपेक्षा करके ज्ञानी पुरुष पूर्णता का अनुभव करते हैं। ऐसी पूर्णता के आनंद रूप अमृत से स्निग्ध दृष्टि तत्त्व ज्ञानियों/मनीषियों की होती है। जो धन धान्य आदि बाह्य भावों से अपूर्ण है, वही वास्तव में पूर्ण है और जो बाह्य पदार्थों से अपने को पूर्ण करता रहता है, वह वास्तव में अपूर्ण है। पूर्णता में आनंद का अनुभव करने वाली आत्मा का स्वभाव जगत को आश्चर्य चकित कर देने वाला है।

'दूसरों के गुणों को ग्रहण कर हम अपना कल्याण कर सकते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर जैन स्थानक भवन में विराजित साध्वीश्री कंचनकंवरजी की निश्रा में साध्वीश्री अनिमाजी ने कहा कि भारतदेश में ज्ञानियों व महापुरुषों का सम्मान किया जाता है । ऐसे में हर जगह उन्हें सम्मान की आस हो जाती है लेकिन ये हर समय संभव नहीं है, जबकि होना चाहिए कि जिसके भीतर में ज्ञान एवं गुण विद्यमान है उसे मान सम्मान की कभी आस नहीं होनी चाहिए। अगर हम दूसरों के गुणों के प्रति आकर्षित होते है, अहोभाव जगते हैं। यदि दूसरों के गुण हमारे अंदर प्रवेश कर जाए जो हमारा कल्याण हो जाएगा। संसार में बुराइयां ही बुराइयां है, हर जगह दोष ही दोष दृष्टिगोचर होते है। मन का विकास सदभाव पर निर्भर है, वाणी का विकास मधुर वचन पर और व्यापार का विकास ग्राहक पर निर्भर है। बुद्धि का विकास संस्कारों से होता है। संस्कारों के अभाव में इन्सान बुद्धि से कुंठित हो जाता है। साध्वीश्री दिव्ययशा जी ने कहा कि वृक्ष हर समय शीतल छांव प्रदान करता है, वृक्ष मधुर मीठे-रसीले फल प्रदान करता है अर्थात प्रकृति हमेशा हमें कुछ न कुछ देती ही है, हम सभी का भी कर्त्तव्य होता है कि हम प्रकृति की देखभाल करें। आज वर्तमान में भगवान महावीर नहीं है, परन्तु उनकी अनुपम, अद्भुत आत्मा का उद्धार करने वाली जिनवाणी उपलब्ध है। जग उद्धारक जिनवाणी को श्रद्धा से श्रवण कर इच्छित मंजिल को प्राप्त करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। ठानंग सूत्र में चार प्रकार के मानव बतलाए गए हैं। पहले प्रकार का व्यक्ति धर्माराधना करता है, दूसरे प्रकार का आपत्ति आने पर धर्माराधना करता है। तीसरे प्रकार का व्यक्ति बचपन से धर्म किया नहीं और आगे करेंगे सोचता है पर वास्तव में नहीं कर पाता। लेकिन चौथे प्रकार का व्यक्ति दृढ़ता के साथ धर्माराधना करता है और जीवन में सफल हो जाता है।

आरएसएस के कर्नाटक प्रांत प्रचारक ने तेरापंथ मुनियों से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कर्नाटक प्रांत के प्रचारक गुरुप्रसाद एवं मंडल के पूर्व अध्यक्ष शैतानसिंह ने गांधीनगर तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमार जी व आदित्य कुमार जी से मुलाकात कर अपने संपर्क अभियान को गति प्रदान की। उन्होंने मुनिद्वय को संघ के कार्यों की जानकारी दी। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने स्वागत किया। भाजपा मल्लेश्वरम क्षेत्र के मंडल उपाध्यक्ष गौतमचंद मुथा ने तेरापंथ सभा के गतिविधियों की जानकारी दी। इस मौके पर सभा के मंत्री विनोद छाजेड़, तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील चोरड़िया, प्रकाश कटारिया, प्रसन्न धोका, प्रदीप चोपड़ा, विमल पितलिया, ललित आच्छा,किशोर दुगड़ आदि उपस्थित थे।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com